RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-276 | जयपुर, शुक्रवार, 03 अप्रैल 2026 | मूल्य-4 रूपये

होर्मुज खुलवाने के लिए भारत समेत 60 देशों का महामंथन

भारत बोला- हम अकेले जिसने होर्मुज में नाविक खोए बातचीत से ही इस संकट का समाधान संभव

नई दिल्ली

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की पहल पर करीब 60 से अधिक देशों के विदेश मंत्रियों ने ऑनलाइन तरीके से होर्मुज संकट पर गुरुवार को चर्चा की। सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व विक्रम मिसरी ने किया और अध्यक्षता ब्रिटेन के विदेश मंत्री यवेट कूपर ने की। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य की आंशिक नाकाबंदी के मद्देनजर सुरक्षित समुद्री परिवहन सुनिश्चित करना था।

मिसरी ने वर्चुअल माध्यम से चर्चा में भाग लेते हुए क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय समुद्री परिवहन मार्गों की सुरक्षा पर नई दिल्ली का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने दुनियाभर के देशों के सामने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों पर जहाजों की बेरोकटोक आवाजाही हर देश का हक है। इससे कोई समझौता नहीं हो सकता। विदेश सचिव ने चिंता जताई कि इस पूरे

संकट का सीधा असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ रहा है।

ब्रिटेन की ओर से बुलाई गई बैठक में सबसे महत्वपूर्ण बात जो भारत ने दुनिया के सामने रखी, वह थी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा। विदेश सचिव ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों में भारत इकलौता ऐसा देश है, जिसने अपने जांबाज नाविकों को खोया है। उन्होंने कहा कि इस समस्या का हल और अधिक युद्ध नहीं है। अगर दुनिया को इस संकट से बाहर निकलना है, तो सभी पक्षों को तुरंत हथियारों को शांत कर बातचीत की मेज पर लौटना होगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, भारत का पक्ष स्पष्ट है।

हम स्वतंत्र और खुले वाणिज्यिक परिवहन और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप समुद्री सुरक्षा के पक्षधर हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध नौवहन सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है।

जायसवाल ने बताया कि ब्रिटेन ने भारत समेत कई देशों को होर्मुज जलडमरूमध्य पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया था और मिसरी ने इसमें भाग लिया।

होर्मुज से जहाजरानी सेवाएं फिर शुरू करना आसान नहीं : स्टार्मर

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा, होर्मुज से जहाजरानी सेवाओं को फिर से शुरू करना आसान नहीं होगा और इसके लिए समुद्री उद्योग साझेदारी के अलावा सैन्य शक्ति और राजनयिक गतिविधियों का एक संयुक्त मोर्चा आवश्यक होगा। स्टार्मर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस अपील को स्पष्ट नकार चुके हैं कि ब्रिटेन व यूरोप के अन्य देशों को होर्मुज खुलवाने के लिए सेना का इस्तेमाल करना चाहिए।

जब तक लड़ाई जारी रहेगी, होर्मुज मार्ग अस्थिर रहेगा: चीन

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने चेतावनी दी कि होर्मुज जलडमरूमध्य से आवागमन का मुद्दा ईरान युद्ध का ही परिणाम है और जब तक लड़ाई जारी रहेगी, जलडमरूमध्य स्थिर नहीं रहेगा। वांग यी ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद से फोन पर बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं, जिसमें उन्होंने शीघ्र युद्धविराम का भी आह्वान किया।

एंटोनियो की अपील- जंग रोकें अमेरिका और इजराइल

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अमेरिका और इजराइल से जंग रोकने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह युद्ध लोगों को भारी नुकसान पहुंचा रहा है और दुनिया को बड़े संकट की ओर धकेल रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समय रहते इसे नहीं रोका गया तो हालात और बिगड़ सकते हैं।

अमेरिका ने ईरान के सबसे ऊंचे पुल को तबाह किया

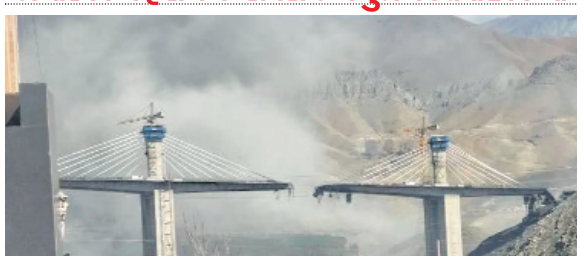

जंग के 34वें दिन हवाई हमलों में पश्चिम एशिया के सबसे ऊंचे पुल को निशाना बनाया गया है। इस हमले के बाद ईरान की राजधानी तेहरान का अपने पड़ोसी शहर करज से संपर्क पूरी तरह कट गया है। स्थानीय मीडिया ने इस भीषण हमले की पुष्टि की है। इस हमले में दो लोगों की मौत हुई है। ईरानी अधिकारी ने बताया कि कई अन्य लोगों को इलाज के लिए अस्पतालों में ले जाया गया है। इस हमले से जुड़ी बिजली, पानी या पर्यावरण संबंधी किसी भी समस्या की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। हमले की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पुल के अलावा करज शहर के कई अन्य इलाकों को भी निशाना बनाया गया है, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल है।

सरकार ने पेट्रोकेमिकल उत्पादों को ड्यूटी फ्री किया

30 जून तक 40 प्रमुख पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर नहीं लगेगी कस्टम ड्यूटी

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच पेट्रोकेमिकल उत्पादों का मुख्य रॉ मटेरियल के रूप में इस्तेमाल करने वाले उद्योगों को बड़ी राहत देने का ऐलान किया है। इसके तहत केंद्र सरकार ने 40 प्रमुख पेट्रोकेमिकल उत्पादन से अगले तीन महीने तक के लिए पूरी तरह से कस्टम ड्यूटी हटाने की घोषणा की है। केंद्र सरकार के कदम का उद्देश्य कच्चे माल की कीमत में होने वाली बेतहाशा वृद्धि से भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को सुरक्षित रखना है।

अमेरिका-इजराइल व ईरान के बीच जारी जंग के दौरान केंद्र सरकार द्वारा लिए फैसले से फार्मास्यूटिकल, ऑटो कॉम्पोनेंट्स, प्लास्टिक, पैकेजिंग टेक्सटाइल व केमिकल मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में काम कर रहे उद्योगों को काफी फायदा होगा। कस्टम ड्यूटी हटाने से इन उद्योगों की उत्पादन लागत में गिरावट आएगी और आम आदमी को महंगाई के बोझ से कुछ हद तक राहत मिल सकेगा। इस संबंध में उपलब्ध कराई जानकारी के अनुसार इंडस्ट्रियल रॉ मटेरियल के रूप में एसिटिक एसिड, एपॉक्सी रेजिन, प्यूरीफाइड टैरेफ्थैलिक एसिड, मेथेनॉल, फिनोल, टॉल्यून, एनहाइड्रस अमोनिया, एथिलीन पॉलीमर्स और कई तरह के फॉर्मल्डिहाइड पर लगने वाले कस्टम ड्यूटी को 30 जून तक के लिए पूरी तरह से खत्म कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने इन अहम पेट्रोकेमिकल उत्पादों के इंपोर्ट से कस्टम ड्यूटी हटाने का फैसला ऐसे समय में लिया है, जब पश्चिमी एशिया में जियो-पॉलिटिकल टेंशन चरम पर पहुंचा हुआ है। इस टेंशन का असर दुनियाभर में अहम पेट्रोकेमिकल कच्चे माल की उपलब्धता पर पड़ना शुरू हो गया है। अमेरिका और इजराइल व ईरान के बीच चल रही लड़ाई के चलते वैश्विक सप्लाई चेन को भी झटका लगा है, जिसकी वजह से इन उत्पादों की कीमत में भी तेजी आने लगी है।

ऐसे में कस्टम ड्यूटी हटा कर सरकार भारतीय उद्योगों के लिए आवश्यक कच्चे माल की लगातार सप्लाई सुनिश्चित करना चाहती है।

राघव चड्ढा को राज्यसभा में उपनेता के पद से हटाया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने अपने राज्यसभा सांसद व पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के करीबी रहे राघव चड्ढा को उच्च सदन में पार्टी के उपनेता पद से हटा दिया है।

इसके साथ ही पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय से अनुरोध किया है कि चड्ढा को सदन में बोलने के लिए समय आवंटित न किया जाए। इस फैसले ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है।

पद से हटने के कुछ घंटों बाद राघव चड्ढा ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया। वीडियो में उच्च सदन में उनके हस्तक्षेप थे, जिसे बुरी नजर कैप्शन दिया गया। इसे बढ़ते मतभेद की अटकलों के बीच उनकी प्रतिक्रिया माना जा रहा है।

प. बंगाल के मालदा में मतदाता सूची पर बवाल: सात न्यायिक अधिकारियों को बनाया बंधक

सुप्रीम कोर्ट सख्त- केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यह घटना सोची-समझी और भड़काऊ, हमें पता है उपद्रवी कौन हैं

नई दिल्ली/कोलकाता।

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम में लगे न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने पर कड़ा एतराज जताया है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने विशेष गहन पुनरीक्षण के काम में लगे न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे बंधक बनाकर रखा। खाना-पानी तक नहीं मिला। यह घटना सोची-समझी और भड़काऊ लगती है। हमें पता है उपद्रवी कौन हैं, इनका मकसद न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराना और चुनावी प्रक्रिया को बाधित करना है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा राज्य में कानून-व्यवस्था ढह गई है। बेंच ने राज्य के गृह सचिव, डीजीपी, अन्य अधिकारियों से उनकी निष्क्रियता पर जवाब मांगा।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के एडवोकेट जनरल किशोर दत्ता से कहा ये राज्य सबसे ज्यादा ध्रुवीकरण वाला राज्य है। यहां हर कोई राजनीतिक भाषा बोलता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा न्यायिक अधिकारियों को घेर कर बंधक बनाकर रखना न केवल उन न्यायिक अधिकारियों की गरिमा के खिलाफ है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट की गरिमा के खिलाफ भी है।

दरअसल पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के एक ब्लॉक डेवलपमेंट अफसर के कार्यालय में एक अप्रैल की शाम करीब साढ़े तीन बजे एसआईआर के काम में लगे 7 न्यायिक अधिकारियों को घंटों बंधक बनाकर रखा गया। 7 न्यायिक अधिकारियों में तीन महिला जज थीं। बंधक बनाने वालों के खिलाफ देर शाम तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

चंबल नदी में अवैध खनन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त राजस्थान सरकार के नोटिफिकेशन पर लगाई रोक

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने चंबल नदी में अवैध खनन से वन्यजीवों को हो रहे नुकसान पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि खनन माफिया चंबल के नये डकैत हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार के उस नोटिफिकेशन पर रोक लगा दी, जिसमें चंबल अभयारण्य की 732 हेक्टेयर भूमि को संरक्षित क्षेत्र से बाहर करने की कोशिश की थी। जस्टिस विक्रमनाथ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा राजस्थान में खनन माफिया पुलिस, वन व प्रशासनिक अधिकारियों की हत्या कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि ये

काफी दुखद है राज्य सरकार कहे वो प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा नहीं कर सकती है। अब इसके आगे क्या होगा। कोर्ट ने कहा चंबल अभयारण्य में अवैध रेत खनन से घड़ियाल, डॉल्फिन व दुर्लभ कछुओं की प्रजाति खत्म हो रही है। जिस क्षेत्र में घडियाल संरक्षण प्रोजेक्ट चल रहा है, वहीं से घड़ियालों को अवैध खनन की वजह से दूसरी जगह जाना पड़ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा मध्यप्रदेश के सीएम ने चंबल नदी में जहां घड़ियाल छोड़े थे, वहां भी अवैध रेत खनन हो रहे हैं, राज्य सरकार इस पर नियंत्रण रखने में नाकाम है। कोर्ट ने राजस्थान, मध्यप्रदेश व उत्तरप्रदेश के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा अगर अवैध खनन नहीं रुका, तो वन, खनन, जल संसाधन, पुलिस अधिकारियों को इसका जिम्मेदार माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने तीनों राज्यों के अलावा केंद्रीय वन और पर्यावरण मंत्रालय से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

जमीन विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या

भरतपुर। डीग में जमीन विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। युवक के 200 गज के प्लॉट को उसके गांव के ही कुछ लोग हड़पना चाहते थे। इसे लेकर उनमें विवाद चल रहा था। बुधवार को आरोपी गाली-गलौज करने लगे।

जब युवक ने गाली देने से मना किया तो एक आरोपी ने युवक पर फायरिंग कर दी। इससे युवक की मौत हो गई। फायरिंग के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना सीकरी थाना इलाके के गमोडकी गांव की रात 11 बजे की है।

हाईकोर्ट ने खुद की जेपीए पदोन्नति प्रक्रिया पर लगाई रोक

शॉर्ट हैंड स्पीड 95 प्रति मिनट को घटाकर 88 करने पर विवाद, अंतरिम स्टे

जोधपुर

राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ ने जूनियर पर्सनल असिस्टेंट (जेपीए) की पदोन्नति प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगा दी है।

जस्टिस फरजंद अली और जस्टिस चंद्र शेखर शर्मा की खंडपीठ ने 1 अप्रैल को यह अहम आदेश जारी करते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि अगली सुनवाई तक प्रमोशन सूची तैयार करना या जारी करना पूरी तरह बंद रखा जाए।

कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं द्वारा उठाए गए सवाल- शॉर्ट हैंड की स्पीड 95 को घटाकर 88 शब्द प्रति मिनट करने को प्रथम दृष्टया गंभीर माना और इस पर हाईकोर्ट प्रशासन से जवाब मांगा है। यह पूरा मामला सिविल रिट याचिका के माध्यम से अदालत में पहुंचा, जिसमें कुल 20 याचिकाकर्ताओं ने 13 मार्च 2026 को जारी किए गए एक विवादित नोटिस और उसके परिणामस्वरूप 24 मार्च को खत्म हुई सलेक्शन प्रोसेस को चुनौती दी है। याचिकाकर्ताओं में जोधपुर, उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़, जयपुर के मानसरोवर, सांगानेर, लाल कोठी और इलाहाबाद निवासी भी शामिल हैं। इस मामले में हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्रार (प्रशासन) और रजिस्ट्रार (परीक्षा) को मुख्य प्रतिवादी (संख्या 1 से 3) बनाया गया है। इसके अलावा, वर्तमान में जूनियर पर्सनल असिस्टेंट के पद पर कार्यरत कुल 13 निजी प्रतिवादी को भी पक्षकार बनाया गया है।

शॉर्टहैंड स्पीड का बदलाव: चयन प्रक्रिया शुरू होने के समय शॉर्टहैंड की न्यूनतम स्पीड 95 शब्द प्रति मिनट तय थी। लेकिन बीच में बिना किसी नियम या सूचना के इसे घटाकर 88 शब्द प्रति मिनट कर दिया गया।

एसआई भर्ती-2021 के अभ्यर्थियों को सुप्रीम कोर्ट से राहत

3 दिन बाद होने वाली परीक्षा में शामिल करने के दिए निर्देश

जयपुर

एसआई भर्ती-2025 में आयु सीमा में छूट मांग रहे याचिकाकर्ताओं और उन्हीं के समान अन्य अभ्यर्थियों को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत मिल गई हैं। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बैंच ने सब इंस्पेक्टर भर्ती-2021 के सभी अभ्यर्थियों को तीन दिन बाद होने वाली परीक्षा में शामिल करने के आदेश दिए हैं। हालांकि कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि ऐसे कैंडिडेट्स की भागीदारी पूरी तरह से अस्थायी (प्रोविजनल)

होगी और उनका परीक्षा परिणाम सील बंद लिफाफे में रखा जाएगा।

सूरजमल मीणा की ओर से दायर प्रार्थना पत्र में मांग की गई थी कि 5 और 6 अप्रैल 2026 को प्रस्तावित स्ढ्ढ/प्लाटून कमांडर भर्ती-2025 परीक्षा को कम से कम 4 सप्ताह के लिए टाल दिया जाए।

अभ्यर्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पीबी सुरेश और एडवोकेट हरेन्द्र नील ने कोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार हाईकोर्ट को आयु सीमा में छूट से जुड़ी अपीलों पर 31 मार्च तक फैसला देना था। लेकिन हाईकोर्ट ने अभी तक फैसला नहीं सुनाया हैं।

ऐसे में अभ्यर्थियों के अधिकार बेअसर हो जाएंगे। इस प्रार्थना का विरोध करते हुए, राजस्थान सरकार की ओर से उपस्थित अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने किसी भी प्रकार की रोक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हजारों अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होने वाले हैं और राज्य द्वारा सभी आवश्यक प्रशासनिक एवं व्यवस्थागत तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

ऐसे में लास्ट मूवमेंट पर परीक्षा रद्द करने से बड़ी अव्यवस्था फैलेगी तथा जनहित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षा कैंसिल करने से इनकार कर दिया। लेकिन साथ ही अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए उन्हें परीक्षा में शामिल करने के निर्देश भी दिए हैं।

संसद का बजट सत्र 13 दिन के लिए स्थगित

महिला आरक्षण को लेकर 16 अप्रेल से फिर होगी चर्चा

लोकसभा की मौजूदा सीटों की संख्या को 543 से बढ़ाकर 816 करने की तैयारी

नई दिल्ली

संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही गुरुवार को 16 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी गई। अब 13 दिनों के अंतराल के बाद संसद के बजट सत्र की कार्यवाही 16 अप्रैल को सुबह 11 बजे फिर शुरू होगी। यह बैठक 18 अप्रैल तक चलेगी। माना जा रहा है कि इस बैठक में महिला आरक्षण को लागू कराने के लिए विधेयक लाया जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा उन्हें संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू की ओर से

अनुरोध प्राप्त हुआ है। उसके अनुसार सरकारी कार्य से 16 अप्रैल को फिर बैठेंगे। उन्होंने कहा इस दौरान प्रश्नकाल, शून्यकाल और प्राइवेट मेंबर टाइम नहीं होगा। स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही 16 अप्रैल को 11 बजे तक के लिए स्थगित करने की घोषणा की। इससे पहले, राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित करते हुए उपसभापति हरिवंश ने कहा कि कार्यवाही 16 अप्रैल को 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

उल्लेखनीय है कि इस साल 28 जनवरी को शुरू हुआ बजट सत्र 02 अप्रैल को समाप्त होना था। लेकिन सरकार महत्वपूर्ण विधेयक लाने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक सरकार का पूरा फोकस अब 'महिला आरक्षण कानून' को जल्द से जल्द जमीन पर उतारने पर है। इसके लिए लोकसभा की मौजूदा सीटों की संख्या को 543 से बढ़ाकर 816 करने की तैयारी है।

दरअसल, वर्ष 2023 में संसद ने भारी बहुमत से महिला आरक्षण बिल को पास किया था लेकिन उस कानून में एक पेंच फंसा था। नियम के मुताबिक देश में अगली जनगणना और परिसीमन के बाद ही महिला आरक्षण लागू हो सकता था। इस प्रक्रिया में लंबा वक्त लग सकता है। सरकार इसी अड़चन को दूर करना चाहती है। इस संशोधन विधेयक से नई जनगणना का इंतजार किए बिना, साल 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही परिसीमन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। सरकार चाहती है महिलाओं को जल्द उनका हक मिले। इस संशोधन के जरिए लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर 816 किया जा सकता है। यानी सीटों की संख्या में सीधे 50 फीसदी की बढ़ोतरी। अगर ऐसा होता है तो बढ़ी हुई सीटों में से एक-तिहाई यानी 273 सीटें सीधे महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को राज्यसभा में जानकारी दी संसद की कार्यवाही आज स्थगित कर दी जाएगी और 2-3 हफ्ते बाद दोबारा बुलाई जाएगी। उन्होंने बताया अगली बैठक में 'महत्वपूर्ण' बिल पर चर्चा और निर्णय लिया जाएगा। मंत्री रिजिजू ने बताया सरकार ने महिला आरक्षण बिल पर 80 प्रतिशत से ज्यादा राजनीतिक दलों से चर्चा की है और सरकार की कोशिश है कि यह बिल सर्वसम्मति से पास हो।

वहीं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस मुद्दे पर ऑल पार्टी मीटिंग बुलाने की मांग की है। उनका कहना है कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है लेकिन सभी दलों की राय लेना जरूरी है।

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से आधा दर्जन शहरों में बारिश, श्रीगंगानगर में ओले गिरे

38.3 डिग्री के साथ कोटा सबसे गर्म

जयपुर

पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से गुरुवार को प्रदेश का मौसम बदला नजर आया। श्रीगंगानगर, झुंझुनूं, बीकानेर, चूरू सहित कुछ अन्य शहरों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। श्रीगंगानगर में बारिश के साथ ओले गिरे। मौसम विभाग के अनुसार श्रीगंगानगर में गुरुवार दोपहर अचानक मौसम बदल गया और तेज बारिश के साथ ओले गिरे। पदमपुर सहित आसपास के क्षेत्र में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। पदमपुर की धान मंडी में खुले में पड़ी किसानों की जींस भीगने से

किसानों में आक्रोश है। आक्रोशित किसान पदमपुर के कृषि उपज मंडी समिति कार्यालय पहुंचे और धानमंडी में जगह के अभाव का आरोप लगाया। जैसलमेर में आंधी चली। चूरू झुंझुनूं और बीकानेर में दोपहर बाद मौसम बदला, कुछ स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई। 38.3 डिग्री के साथ कोटा का दिन, 25.6 डिग्री के साथ जयपुर की रात सबसे गर्म रही।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 3-4 अप्रेल को एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। गुरुवार को दोपहर बाद जैसलमेर, बाड़मेर, फलोदी व बीकानेर संभाग के जिलों, आसपास के क्षेत्र में आंधी बारिश की गतिविधियां दर्ज की गई। आगामी मजबूत पश्चिमी विक्षोभ का सर्वाधिक प्रभाव 3-4 अप्रैल को दर्ज होने तथा जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में पुन- तेज मेघगर्जन के साथ आंधी-बारिश (40-50 किलोमीटर प्रतिघंटा) होने की प्रबल संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की भी संभावना है।

मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान के बाथरूम में मिले पेपर पर डेंजर लिखा... हड़कंप मच गया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो के एक विमान में संदिग्ध टिश्यू पेपर मिलने से हड़कंप मच गया। बाथरूम में पाए गए पेपर पर डेंजर लिखा हुआ था और नीचे खोपड़ी बनी थी। यह घटना तब हुई जब विमान अपनी अगली उड़ान के लिए तैयारी में था। मुंबई पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने पूरे विमान और इलाके की जांच की, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे जांच शुरू कर दी है। इसी बीच, लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। विमान बागडोगरा से दिल्ली जा रहा था और कॉकपिट के इलेक्ट्रिक पैनल (एवियोनिक्स बे) से धुआं निकलने के कारण सुरक्षा कारणों से लखनऊ की ओर मोड़ा गया। विमान शाम 5:18 बजे सुरक्षित रूप से उतरा। विमान में चालक दल के छह सदस्य और 142 यात्री शामिल थे। सभी को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला गया। विमानन कंपनी ने यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए अन्य विमानों में जगह दी, कुछ को टिकट की पूरी रकम वापस की गई, और कई को होटल में ठहरने की सुविधा प्रदान की गई। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने बताया कि सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए चालक दल ने समय रहते विमान को लखनऊ में उतारा। दोनों घटनाओं ने हवाई सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया। मुंबई की घटना चेतावनी और सुरक्षा जांच की आवश्यकता दिखाती है, जबकि लखनऊ की घटना विमानन सुरक्षा और आपात स्थिति प्रबंधन की तत्परता को दर्शाती है। यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रही और दोनों मामलों में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत तलाक उसी तारीख से प्रभावी जिस तारीख को उसकी घोषणा की गई हो कोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत जब कोई पति तलाक का एलान करता है तो तलाक उसी तारीख से प्रभावी माना जाता है, जिस तारीख को उसकी घोषणा की गई हो बशर्ते कि वह कानून के अनुसार वैध हो। एक मुस्लिम महिला द्वारा भरण-पोषण को लेकर दाखिल क्रिमिनल रिवीजन याचिका पर सुनवाई करते हुए अपने महत्वपूर्ण आदेश में टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कहा कि यह भी तय है कि जहां कोई पति तलाक देता है और बाद में उसी के संबंध में कोई आदेश पाने के लिए अदालत जाता है तो अदालत द्वारा दिया गया आदेश आमतौर पर केवल घोषणात्मक प्रकृति का होता है। यह केवल उस तलाक की स्थिति को मान्यता देता है या उसकी पुष्टि करता है जो पहले ही हो चुका होता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसी परिस्थितियों में अदालत का आदेश फैसले की तारीख से कोई नया तलाक नहीं करता बल्कि केवल यह घोषित करता है कि क्या तलाक पहले ही वैध रूप से दिया जा चुका था। कोर्ट ने याची पत्नी को राहत देते हुए फैमिली कोर्ट द्वारा भरण-पोषण वाद को लेकर पारित आदेश को रद्द कर दिया। कोर्ट ने याची महिला की याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए मामले को फैमिली कोर्ट को वापिस भेजने का आदेश दिया ताकि वो याची महिला के भरण-पोषण के दावे पर कानून के अनुसार दोनों पक्षों को सुनवाई का अवसर देने के बाद और कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए नए सिरे से और गुण-दोष के आधार पर निर्णय ले सकें।

विजय के काफिले में सुरक्षा में गंभीर चूक... केंद्रीय गृह मंत्री शाह और केंद्रीय गृह सचिव को लिखा खत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में चुनाव प्रचार के दौरान अभिनेता और टीवीके प्रमुख विजय के काफिले की सुरक्षा में गंभीर चूक का मामला सामने आया है। इस बारे में विजय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय गृह सचिव को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। 31 मार्च को लिखे पत्र में विजय ने 30 मार्च की उस घटना का उल्लेख किया, जब पेरम्बूर से नामांकन दाखिल करने के बाद कोलाथुर में अगले चुनाव प्रचार कार्यक्रम के लिए जा रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि तभी उनके वीआईपी काफिले की सुरक्षित और सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त पुलिस बल और यातायात प्रबंधन उपलब्ध नहीं कराया गया। अभिनेता से नेता बने विजय ने इस मामले को 'गंभीर और चिंताजनक' सुरक्षा चूक बताकर कहा कि वे केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की गई 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा के तहत एक संरक्षित व्यक्ति हैं। इसके बाद उनके काफिले के लिए तय सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन होना अनिवार्य था। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका पूरा चुनाव प्रचार कार्यक्रम चुनाव अधिकारियों से विधिवत अनुमति लेकर ही आयोजित किया गया था। पत्र में विजय ने उल्लेख किया कि वे 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे हैं और चेन्नई के पेरम्बूर तथा त्रिची पूर्व विधानसभा क्षेत्रों से उम्मीदवार हैं। इस तरह के संवेदनशील चुनावी माहौल में सुरक्षा में लापरवाही न केवल उनके लिए, बल्कि आम जनता के लिए भी खतरा पैदा कर सकती है। उन्होंने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि इस घटना की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए और भविष्य में उनके चुनाव प्रचार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए, ताकि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

गोवा की अदालत ने सौरभ और गौरव लूथरा को दी जमानत... लेकिन अभी रहना होगा जेल में

पणजी (एजेंसी)। गोवा के चर्चित नाइटक्लब अग्निकांड मामले में एक बड़ा कानूनी मोड़ सामने आया है। गोवा की एक लोकल अदालत ने सौरभ और गौरव लूथरा को जमानत दे दी है, लेकिन इसके बावजूद वे फिलहाल जेल से रिहा नहीं हो पाएंगे। यह मामला बिर्च बाय रोमियो लेन नामक नाइटक्लब से जुड़ा है, जहां 6 दिसंबर 2025 को भीषण आग लगी थी। इस हादसे में करीब 25 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि करीब 50 लोग घायल हुए थे। घटना ने पूरे राज्य में सनसनी फैला दी थी और सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। मर्सिस स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने दोनों आरोपियों को नियमित जमानत दी। उनके पक्ष में वरिष्ठ अधिवक्ता सुबोध कांतक ने पैरवी की। हालांकि, यह राहत अधूरी साबित हुई क्योंकि तभी एक अन्य मामले ने उनकी रिहाई पर रोक लगा दी। दरअसल, मापुसा पुलिस ने लूथरा बंधुओं को कथित जालसाजी के एक अलग मामले में हिरासत में ले रखा है। आरोप है कि उन्होंने नाइटक्लब के लिए आबकारी लाइसेंस हासिल करने हेतु फर्जी दस्तावेज और एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) का इस्तेमाल किया। इस मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका पहले ही खारिज की जा चुकी थी। पिछले सप्ताह अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका को ठुकरा दिया था।

यूसीसी का वादा कर असम में ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर रही भाजपा : पवन खेड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने असम में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के भारतीय जनता पार्टी के वादे की आलोचना कर आरोप लगाया कि यह शासन संबंधी मुद्दों से ध्यान भटकाने की सोची-समझी एक चाल है। कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा ने भाजपा पर चुनाव से पहले ध्रुवीकरण की रणनीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे इसतरह के मुद्दे उठाने की कोशिश करने वाले हैं, ताकि मतदाताओं का ध्यान भाजपा सरकार के असली झूठ से हटे और वे गुमराह हो जाएं। उन्हें असम चुनाव में ध्रुवीकरण करने की कोशिश करने दीजिए। लेकिन असम की जनता कभी ध्रुवीकृत नहीं होगी। कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा ने कहा कि वे सिर्फ गलत मुद्दे उठा रहे हैं, ताकि उनकी अपनी कमियों, उनके अपने भ्रष्टाचार और उनके अपने कुकर्मों पर किसी तरह की चर्चा नहीं हो सके। दरअसल भाजपा ने 2026 के असम विधानसभा चुनावों के लिए घोषणापत्र जारी किया, इसमें 31 वादे शामिल हैं, जिसमें समान नागरिक संहिता का कार्यान्वयन और ओरुनोदोई योजना के तहत महिलाओं के लिए मासिक प्रत्यक्ष बैंक हस्तांतरण को बढ़ाकर 3,000 रुपये करना शामिल है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य असम को सबसे उज्ज्वल राज्य बनाना है और उन्होंने उत्तराखंड और गुजरात का अनुसरण कर संविधान की छठी अनुसूची के तहत आने वाले क्षेत्रों और आदिवासी समुदायों को छोड़कर यूसीसी (उप-परिस्थिति नियंत्रण अधिनियम) को लागू करने का संकल्प लिया। सीएम सरमा ने कहा कि हम असम को सबसे उज्ज्वल राज्य बनाना चाहते हैं। हम आश्रित राज्य नहीं बनना चाहते, हम देश के निर्माण में भाग लेना चाहते हैं। हम छठी अनुसूची और अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों को छोड़कर असम में यूसीसी लागू करने वाले है। हम लव जिहाद के खिलाफ कड़े कदम उठाएंगे। हम असम को बाढ़ मुक्त बनाने के प्रयास में पहले दो वर्षों में 18,000 करोड़ रुपये खर्च करने वाले है।

कुवैत में जान गंवाने वाले 20 भारतीयों के पार्थिव शरीर विशेष विमान से पहुंचे कोच्चि

कोच्चि (एजेंसी)। कुवैत में अलग-अलग घटनाओं में अपनी जान गंवाने वाले 20 भारतीय नागरिकों के पार्थिव शरीर मंगलवार को केरल के कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और युद्ध की स्थिति के कारण वैश्विक विमान सेवाओं में आए भारी व्यवधान के चलते इन शवों को वतन लाने की प्रक्रिया में काफी विलंब हुआ। कुवैत एयरवेज की विशेष उड़ान (केयू 5632) कोलंबो के रास्ते कोच्चि पहुंची। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह विमान विशेष रूप से केवल शवों को भारत लाने के लिए ही संचालित किया गया था और इसमें कोई अन्य यात्री सवार नहीं था। जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ समय से कुवैत में विभिन्न प्राकृतिक और अन्य कारणों से जान गंवाने वाले इन भारतीयों के शव वहां फंसे हुए थे। हालांकि इन मौतों का वर्तमान युद्ध से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है, लेकिन इस क्षेत्रीय संघर्ष के कारण उड़ानों के शेड्यूल में आई दिक्कतों ने इस पूरी प्रक्रिया को काफी जटिल बना दिया था। विमान के लैंड करते ही सभी 20 पार्थिव शरीरों को उनके पैतृक स्थानों पर भेजने की त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी गई। मरने वालों में अधिकांश लोग केरल के कोझिकोड, अलाप्पुझा और कोट्टायम जिलों के निवासी थे। इसके अतिरिक्त, कुछ शवों को सड़क मार्ग से तमिलनाडु भी भेजा जाना है। हवाई अड्डे पर एम्बुलेंस और अन्य आवश्यक प्रबंध पहले से ही सुनिश्चित कर लिए गए थे ताकि परिजनों को और अधिक प्रतीक्षा न करनी पड़े। कुवैत में फंसे इन पार्थिव शरीरों की घर वापसी का मामला कूटनीतिक और लॉजिस्टिक कारणों से लंबे समय से लंबित था। अब सभी कानूनी और आधिकारिक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद इन शवों को अंतिम संस्कार के लिए उनके शोक संतप्त परिजनों को सौंप दिया गया है। क्षेत्रीय तनाव के बीच इस मानवीय मिशन का सफल होना उन परिवारों के लिए एक बड़ी राहत है, जो हफ़्तों से अपने प्रियजनों के अंतिम दर्शन का इंतजार कर रहे थे।

बीजू पटनायक पर दिए बयान पर बढ़ा विवाद.. सांसद निशिकांत दुबे ने बिना शर्त माफी मांगी

नई दिल्ली। झारखंड की गोड्डा सीट से लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे ने दावा किया था कि बीजू पटनायक 1960 में चीन के खिलाफ युद्ध के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी थे। बीजेपी सांसद दुबे के बयान पर काफी हंगामा हुआ। ओडिशा की विपक्षी पार्टी बीजेडी ने विधानसभा में खूब हंगामा किया। इतना ही नहीं, ओडिशा के भाजपा नेताओं ने को भी उनका बयान पंसद नहीं आया। अपने बयान पर हंगामा बढ़ता देख अब सांसद दुबे ने बिना शर्त माफी मांगी है। उन्होंने कहा, पिछले हफ्ता मीडिया से बात करते हुए मैनें नेहरु गांधी परिवार के कारनामों के क्रम में पूर्व मुख्यमंत्री भारत के अग्रणी नेताओं में स्थान रखने वाले आदरणीय बीजू पटनायक जी के संदर्भ में मेरी बातों से गलत अर्थ निकाला गया। नेहरु जी के ऊपर मेरे विचार को बीजू बाबू के ऊपर समझा गया। बीजू हमारे लिए हमेशा ऊंचे कद के स्टेट्समैन रहे हैं और रहने वाले हैं। मेरे वक्तव्य से यदि भावनाएं आहत हुई हैं, तब मैं बिना शर्त क्षमा चाहता हूं। दरअसल दुबे ने कहा था, अमेरिका ने तिब्बत पर चीन के कब्जे के डर से वहां अपनी सेना और सीआईए एजेंट भेजे थे। दलाई लामा और उनके भाई अमेरिकी सरकार के लगातार संपर्क में थे। नेहरू ने चीन से 1962 का पूरा युद्ध अमेरिकी धन और सीआईए एजेंटों के सहयोग से लड़ा था। ओडिशा के तत्कालीन मुख्यमंत्री बीजू पटनायक अमेरिकी सरकार, सीआईए और नेहरू के बीच कड़ी का काम करते थे। सांसद दुबे ने कहा था कि ओडिशा का चारबतिया हवाई अड्डा, जिसमें बीजू पटनायक की महत्वपूर्ण भूमिका थी, यू2 विमानों का अड्डा था और इस हवाई अड्डे पर 1963 से 1979 तक अमेरिकी सेना तैनात थी। बता दें कि सोमवार को बीजेडी के सांसदों ने राज्यसभा में बीजू पटनायक के कथित अपमान का जोरदार विरोध किया, और इसका असर ओडिशा की सड़कों पर भी देखा गया, जहां युवाओं और छात्रों ने प्रदर्शन किया और भाजपा सांसद का पुतला फूंका। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक के बारे में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की टिप्पणी के खिलाफ मंगलवार को राज्य विधानसभा में विपक्षी सदस्यों ने कड़ा विरोध जताया और उनके विरुद्ध निंदा प्रस्ताव पारित करने की मांग की।

लोकसभा में 50फीसदी वृद्धि से उत्तरी राज्यों को फायदा, दक्षिण भारत को नुकसान

-केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर घमासान, कांग्रेस ने इस कदम को बताया अन्यायपूर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा की कुल सीटों की संख्या में 50 फीसदी तक की वृद्धि करने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर घमासान शुरू हो गया है। कांग्रेस ने इस कदम को अन्यायपूर्ण और दक्षिण भारत के हितों के खिलाफ बताया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर दावा किया है कि मोदी सरकार महिला आरक्षण को लागू करने की पृष्ठभूमि में लोकसभा का आकार बढ़ाने के लिए एक विधेयक लाने की तैयारी कर रही है। मीडियाचा रिपोर्ट के मुताबिक जयराम रमेश ने कहा कि प्रस्ताव के तहत लोकसभा की कुल सीटों में 50फीसदी की वृद्धि की जाएगी, जिसका सीधा असर हर राज्य को आवंटित सीटों पर पड़ेगा। कांग्रेस का तर्क है कि इससे उत्तरी राज्यों को तो भारी फायदा होगा, लेकिन दक्षिणी, पश्चिमी और पूर्वोत्तर के छोटे राज्यों का संख्याबल कमजोर हो जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि अनुपात फिलहाल नहीं बदल सकता है लेकिन इसके गहरे निहितार्थ हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। रमेश ने कहा कि लोकसभा में कई राज्यों के मौजूदा संख्याबल के अंतर में किसी भी तरह की वृद्धि से दक्षिण भारतीय राज्यों को नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 80 सीट हैं और तमिलनाडु में 39 सीट हैं। प्रस्तावित विधेयक के साथ यूपी की लोकसभा सीट की संख्या बढ़कर 120 हो जाएगी जबकि तमिलनाडु में अधिकतम 59 सीट हो पाएंगी। इसी तरह केरल में लोकसभा की 20 सीट बढ़कर 30 हो जाएंगी, जबकि बिहार में 40 से बढ़कर 60 सीट हो जाएंगी। कुल मिलाकर दक्षिणी राज्यों को 66 सीट का फायदा होगा जबकि उत्तरी राज्यों को 200 सीट का फायदा होगा। रमेश ने दावा किया कि पीएम मोदी एकतरफा कानून तैयार कर रहे हैं जिससे दक्षिण, पूर्वोत्तर और पश्चिम के छोटे राज्यों को नुकसान होगा।

उत्तर भारत में बेमौसम बारिश से खड़ी फसल हुई आड़ी, 19 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

बारामुला में भारी बारिश से स्कूल हास्टल में फंसे 34 लोगों को सेना ने निकाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में मौसम बदलने से किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार के लिए दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और पंजाब समेत देश के 19 राज्यों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। यह बेमौसम बारिश रबी की फसलों, खासकर गेहूं और सरसों, के लिए बेहद हानिकारक साबित हो रहा है। तेज हवाओं और बारिश के कारण खेतों में खड़ी पकी फसलें आड़ी हो गई हैं, जिससे उनके सड़ने और फफूंद लगने का खतरा बढ़ गया है।

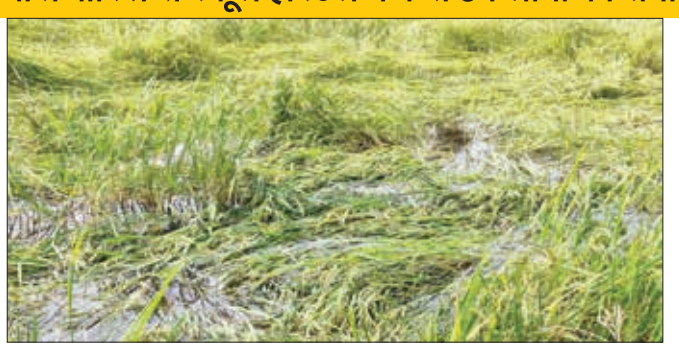

दिल्ली और पंजाब समेत मैदानी इलाकों में मंगलवार को मौसम ने अचानक बदल गया। दिल्ली के कई हिस्सों में हल्की बारिश हुई। दोपहर बाद घने बादल छाने और बिजली कड़कने के साथ मौसम एकदम से बदल गया। दिन में ही लोग गाड़ियों की लाइट जलाकर चलते नजर आए। दिल्ली का अधिकतम तापमान 33.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.1 डिग्री ज्यादा था। हवा में नमी का स्तर 96 से 36 प्रतिशत दर्ज हुआ। पंजाब में कई जिलों में ओलावृष्टि के साथ बारिश भी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक कश्मीर के बारामुला में भारी बारिश के कारण पानी का स्तर अचानक बढ़ जाने से एक स्कूल हास्टल में फंसे 34 लोगों को सेना ने सुरक्षित निकाल लिया। इनमें 30 छात्र और चार शिक्षक शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के बाद फिसलन के कारण श्रीनगर-लेह व बांडीपोरा-गुरेज मार्ग पर भी यातायात बहाल नहीं हो सका।

कश्मीर की गुरेज घाटी में दोपहर को हिमस्खलन हुआ, लेकिन आसपास कोई आवासीय बस्ती नहीं होने के चलते जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। उधर हिमाचल में बारालाचा, कुंजुम और रोहतांग दर्रा में मंगलवार को हल्का हिमपात हुआ, जबकि केलंग में पांच, चंबा में दो मिलीमीटर बारिश हुई। कश्मीर में तेज और मूसलाधार बारिश के कारण रफियाबाद के वतरगाम इलाके में एक नाले में पानी का स्तर अचानक बढ़ गया, जिससे एक स्थानीय स्कूल हास्टल में बाढ़ आ गई। इससे वहां स्कूली बच्चे और शिक्षक परिसर के अंदर फंस गए। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में तैनात सेना की टुकड़ी से संपर्क किया, जिसने तुरंत मानवीय सहायता अभियान शुरू किया। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और खतरनाक रूप से ऊंचे जल स्तर के बावजूद टीमों ने फंसे हुए लोगों तक पहुंचने में सफलता पाई और सभी 34 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया। हिमाचल प्रदेश में गोंदला व केलंग जैसे उच्च इलाकों में मंगलवार को हिमपात हुआ। बीआरओ ने 16580 फीट ऊंचे शिंकुला के रास्ते को बहाल कर दिया है।

'समुद्री पौधा' बताकर जैन व्यापारी को मछली खिलाने का आरोप, बाबा अशोक खरात की बढ़ीं मुश्किलें

-यौन उत्पीड़न और आपत्तिजनक वीडियो मामले में पहले से हैं घिरे

पुणे (एजेंसी)। अशोक खरात नामक स्वयंभू बाबा पर महाराष्ट्र में अब दिन-ब-दिन चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि उन्होंने जैन समुदाय के व्यापारियों को धोखा देकर मछली को 'समुद्री पौधा' बताकर वर्षों तक उसका सेवन करवाया। यह धोके का कारोबार एक-दो दिन या महीने नहीं बल्कि छह साल तक चलता रहा।

जांच अधिकारियों के मुताबिक, एक 46 वर्षीय जैन व्यापारी करीब छह वर्षों तक खरात के संपर्क में रहा। इस दौरान वह नियमित रूप से धार्मिक अनुष्ठानों के लिए उनके पास जाता रहा और अनजाने में मछली खाता रहा। उसे यह विश्वास दिलाया गया था कि यह कोई जीव नहीं बल्कि समुद्र में उगने वाला पौधा है, जिससे व्यापार में उन्नति और समृद्धि आती है। आरोप है कि खरात ने अपने अनुयायियों को गुमराह करने के लिए दावा किया कि मछली में हड्डियां नहीं होतीं और वह खून भी नहीं बहाती, इसलिए उसे पौधे की तरह माना जा सकता है। इन दलीलों के जरिए उन्होंने कई लोगों से लाखों रुपये भी वसूले।

धोखाधड़ी का बड़ा नेटवर्क

जांच एजेंसियों का मानना है कि यह मामला सिर्फ धार्मिक आस्था से खिलवाड़ का नहीं, बल्कि एक सुनियोजित ठगी का हिस्सा है। कई बड़े व्यापारी भी उनके प्रभाव में आकर उनसे व्यापार और भविष्य को लेकर सलाह लेते थे।

आपत्तिजनक वीडियो और यौन उत्पीड़न के आरोप

कथित बाबा के मामले ने उस समय और गंभीर रूप ले लिया, जब इससे जुड़े आपत्तिजनक वीडियो के प्रसार का मामला सामने आया। राज्यभर में 100 से अधिक केस दर्ज किए गए हैं, जबकि विशेष जांच टीम ने सोशल मीडिया से करीब 3,500 लिंक हटाए हैं। पुलिस के अनुसार, अशोक खरात को 17 मार्च को नासिक

से गिरफ्तार किया गया था। अब तक उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के 11 मामले दर्ज हो चुके हैं।

जांच जारी, और खुलासों की संभावना

अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं। यह घटना धार्मिक आस्था के नाम पर होने वाले धोखे और अंधविश्वास को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है।

फीस भरने के लिए छात्र ने बेची किडनी, रकम के विवाद में हुआ बड़े अंतरराष्ट्रीय रैकेट का भंडाफोड़

- सौदा नौ लाख रुपये में तय हुआ लेकिन मिले केवल साढ़े तीन लाख

- पीड़ित छात्र खुद भी साइबर अपराधों से जुड़ा रहा

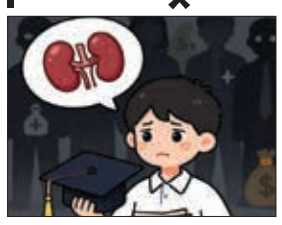

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर की पढ़ाई कर रहे एक छात्र द्वारा अपनी फीस जमा करने के लिए किडनी बेचने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला आयुष कुमार नामक यह छात्र उस समय पुलिस की नजरों में आया जब किडनी निकालने के बाद सौदा करने वाले गिरोह ने उसे पूरी रकम नहीं दी और वह अपनी शेष राशि मांगने पुलिस के पास पहुंच गया। छात्र ने पुलिस को बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने और पिता की आत्महत्या के बाद पढ़ाई छूटने के डर से उसने यह घातक कदम उठाया। छात्र के मुताबिक, शुरुआत में सौदा नौ लाख रुपये में तय हुआ था, लेकिन ऑपरेशन के बाद आरोपियों ने केवल साढ़े तीन लाख रुपये ही दिए। जांच में सामने आया है कि आयुष करीब छह महीने पहले टेलीग्राम पर एक किडनी डोनर ग्रुप के संपर्क में आया था। वह पहले शिक्षा ऋण (लोन) लेकर फीस भरना चाहता था, लेकिन सफलता न मिलने पर उसने किडनी बेचने का निर्णय लिया। उसे डॉक्टर अफजल और डॉक्टर वैभव कानपुर लेकर आए थे, जहां उसका ऑपरेशन किया गया। हालांकि, पुलिस की जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि पीड़ित छात्र खुद भी साइबर अपराधों से जुड़ा रहा है और उसने कई फर्जी म्यूल अकाउंट बनवाए थे, जिसकी जांच की जा रही है।

इस मामले की गहराई से पड़ताल करने पर पुलिस ने एक बड़े अवैध किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का पर्दाफाश किया है। कानपुर पुलिस ने इस सिलसिले में आईएमए की उपाध्यक्ष डॉ. प्रीति आहूजा समेत पांच डॉक्टरों और एक दलाल को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान लखनऊ और नोएडा के कई बड़े अस्पताल भी पुलिस के रडार पर आ गए हैं, जहां गंभीर स्थिति होने पर मरीजों को अवैध रूप से शिफ्ट किया जाता था। एसीपी आशुतोष कुमार के अनुसार, इन अस्पतालों की भूमिका संदिग्ध है और जल्द ही कुछ और बड़ी गिरफ्तारियां संभव हैं। फिलहाल पुलिस फरार चल रहे दो अन्य डॉक्टरों और चार सहयोगियों की तलाश में जुटी है, जो इस अवैध मानव अंग व्यापार के नेटवर्क को संचालित कर रहे थे।

डेडलाइन के दिन नक्सलियों का छिपाया 14 करोड़ का माल बरामद, 25 ने किया सरेंडर

चार जिलों में 34 नक्सलियों ने हथियार डाले, इसमें 12 महिला माओवादी कैडर शामिल

बस्तर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में नक्सली खात्मे की डेडलाइन के दिन नक्सलियों का छिपाया हुआ 14 करोड़ का माल बरामद हुआ है। बीजापुर में 25 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनसे मिले इनपुट के बाद ही 3 करोड़ कैश और 7 किलो गोल्ड बरामद हुआ। इसे अब तक का सबसे बड़ा डंप माना जा रहा है। इसी तरह चार जिलों में 34 नक्सलियों ने हथियार डाले। इसमें दंतेवाड़ा में पांच, सुकमा में दो और कांकेर में दो नक्सली शामिल हैं। पुलिस ने दंतेवाड़ा जिले को नक्सल मुक्त होने का दावा किया है। वहीं, कांकेर में अब भी 14 नक्सली सक्रिय हैं, पुलिस इनसे संपर्क की कोशिश कर रही है।

बीजापुर में दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के 25 नक्सलियों ने 93 हथियारों के साथ सरेंडर किया है। इसमें 12 महिला माओवादी कैडर शामिल हैं। सभी पर 1.47 करोड़ का इनाम घोषित किया गया था। इनमें मंगल कोरसा ऊर्फ मोटू, आकाश ऊर्फ फागु उईका, डीवीसीएम शंकर मुचाकी, एसीएम राजू रैयाम ऊर्फ मुन्ना, एसीएम पाले कुरसम जैसे बड़े नक्सली शामिल हैं। मंगल 8 लाख का इनामी रहा है और 12 बड़ी घटनाओं में शामिल है। शंकर मुचाकी (33) भी 8 बड़े वारदातों में शामिल रहा। पाले कुरसम पांच घटनाओं में शामिल था।

जिले में 1 जनवरी 2024 से लेकर 31 मार्च 2026 तक कुल 1003 माओवादी कैडरों ने सरेंडर किया है। इसके पहले 5.37 करोड़ का डंप मिला था, जिसमें 1.64 करोड़ का 1 किलो सोना और 3.73 करोड़ कैश था। इस प्रकार अब तक 19.43 करोड़ का डंप मिला है। जिसमें 6.63 करोड़ कैश और 12.80 करोड़ का 8.20 किग्रा सोना शामिल है। दंतेवाड़ा पुलिस लाइन कारली में 31 मार्च को 'पूना मारगेम-पुनर्वास से पुनर्जीवन' अभियान के तहत सरेंडर कार्यक्रम हुआ। इसमें दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी से जुड़े पांच नक्सली मुख्यधारा में लौटे हैं। इनमें 4 महिला कैडर शामिल हैं।

पुलिस ने अलग-अलग ऑपरेशन के दौरान इंसास, एसएलआर, कार्बाइन, लॉन्चर समेत कई हथियार भी बरामद किए हैं। एसपी ने दावा किया है कि अब दंतेवाड़ा जिला भी नक्सल मुक्त हो चुका है। यहां की आबो हवाओं में अब हिंसा नहीं बल्कि अमन, चैन और शांति महसूस की जा सकती है। सुकमा में दो महिला नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इन पर 8-8 लाख का इनाम था। वे माओवादी कैडर के रैंक कंपनी के सदस्य है, सुकमा के ही रहने वाली है। सरेंडर के बाद इनसे मिले इनपुट के बाद हथियारों और पांच लाख कैश का बड़ा डंप भी मिला है।

सीबीईओ कार्यालय का घेराव, शिक्षकों का फूटा गुस्सा, वेतन-पेंशन अटकी तो भड़का आक्रोश

'भ्रष्टाचार की बू' का आरोप, सुनाई खरी-खोटी, सेवा पुस्तिका व नियमितीकरण पर उठे सवाल

शिक्षा विभाग में व्यवस्थाओं पर बड़ा प्रश्नचिन्ह, सैकड़ों शिक्षकों की मौजूदगी से गरमाया माहौल

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। शहर के शिक्षा जगत में गुरुवार को उस वक्त हलचल मच गई, जब प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के मातृ संगठन आरएसएस की विचारधारा से जुड़े अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (विद्यालयी शिक्षा) के बैनर तले सैकड़ों शिक्षकों ने एकजुट होकर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) कार्यालय का जोरदार घेराव कर दिया। जिला अध्यक्ष महेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में पहुंचे शिक्षकों ने न केवल अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की, बल्कि सीबीईओ गीता माहेश्वरी के खिलाफ जमकर नाराजगी भी जाहिर की। घेराव के दौरान माहौल पूरी तरह गर्म नजर आया। शिक्षकों के तेवर इतने तीखे थे कि जिला अध्यक्ष शर्मा ने सीबीईओ को लेकर खुलकर नाराजगी जताते हुए खरी-खोटी तक सुना डाली। शिक्षकों का आरोप था कि विभागीय उदासीनता के चलते लंबे समय से उनकी जायज मांगें अटकी हुई हैं, जिससे उनमें गहरा आक्रोश पनप रहा है।

खंड अध्यक्ष अमर सिंह चौहान ने स्थिति को विस्तार से रखते हुए बताया कि पीईईओ क्षेत्रों के कार्मिकों का स्थायीकरण हुए छह माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन आज तक उनका वेतन नियमित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति शिक्षकों के साथ अन्याय के समान है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पर सीधा असर पड़ रहा है।

इतना ही नहीं, सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के पेंशन प्रकरणों को भी अनावश्यक रूप से कार्यालय में रोके रखने का आरोप लगाया गया। चौहान ने तीखे शब्दों में कहा कि 'इन प्रकरणों को लटकाने से साफ तौर पर भ्रष्टाचार की बू आती है।' उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है। शिक्षकों ने पंचायत शिक्षकों और संविदा कार्मिकों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। उनका कहना था कि तीन-तीन साल बीत जाने के बावजूद उनकी सेवा पुस्तिकाएं तैयार नहीं की गई हैं। इतना ही नहीं, वर्ष में एक बार भी सेवा पुस्तिका नहीं दिखाने से पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस लापरवाही से कर्मचारियों का भविष्य अधर में लटकता नजर आ रहा है।

प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें वेतन नियमितीकरण, पेंशन प्रकरणों का त्वरित निस्तारण, सेवा पुस्तिका निर्माण और पारदर्शिता सुनिश्चित करने जैसी मांगें प्रमुख रूप से शामिल थीं। इस मौके पर संगठन के जिला कोषाध्यक्ष मुकेश कुमावत, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रशांत चौधरी, जिला महिला मंत्री चन्दा सुवालका, जिला मीडिया प्रभारी हनुमान प्रसाद शर्मा, नयन बुला, सभाध्यक्ष मोहन लाल कोली, नवरत्नमल बगड़िया, शांति धाबाई, पंकज सोनगरा, मुकेश प्रजापत, सीताराम चौधरी सहित सैकड़ों शिक्षक और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में अपनी मांगों को दोहराते हुए जल्द समाधान की मांग की। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम के बीच सीबीईओ गीता माहेश्वरी का पक्ष सामने नहीं आ सका। पत्रकारों ने कार्यालय पहुंचकर उनका पक्ष जानने का प्रयास किया, लेकिन उनके मौजूद नहीं होने के कारण संपर्क नहीं हो पाया। ऐसे में अब सभी की नजरें प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं कि आखिर शिक्षकों की इन ज्वलंत समस्याओं का समाधान कब तक होता है।

पत्रकार श्याम विजय पर हमला, लूटपाट के बाद धमकी

दो नामजद सहित चार आरोपियों पर मामला दर्ज

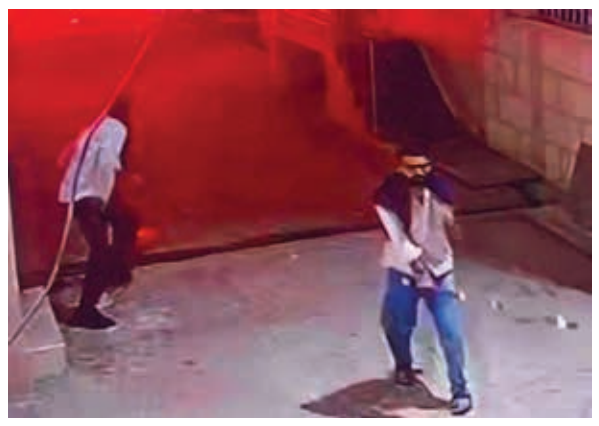

स्मार्ट हलचल| बिजोलिया

कस्बे में 1 अप्रैल 2026 की रात वरिष्ठ पत्रकार श्याम विजय पर कुछ बदमाशों ने हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार पंचायत चौक से घर लौटते समय एक सफेद कार में सवार 3-4 लोगों ने उनके घर के बाहर लाठी-सरियों से मारपीट की, जिससे उन्हें सिर में चोट आई।

हमलावर करीब 11 हजार रुपये नकद और लगभग 30 ग्राम सोने की चेन छीनकर मौके से फरार हो गए। शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे, तब तक आरोपी भाग चुके थे।

पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने लक्ष्मी नारायण अहीर उर्फ कालू, योगेश अहीर सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। घटना के बाद स्थानीय लोगों व पत्रकारों ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और सुरक्षा की मांग की है।

संकट मोचन हनुमान मंदिर आजाद नगर में उमड़ा आस्था का सैलाब, दुग्ध-निर्मित महाप्रसाद का लगा भोग

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

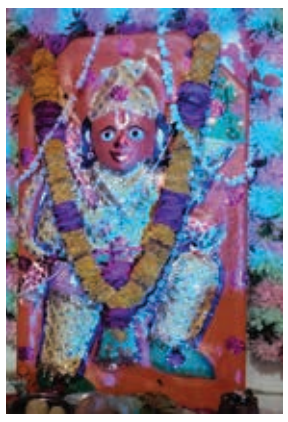

आजाद नगर स्थित सांवरिया बस्ती में श्री हनुमान जन्मोत्सव का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया डांगी फैक्ट्री के पीछे स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में रामभक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा जन्मोत्सव के पावन अवसर पर प्राचीन हनुमान मंदिर में विशेष सजावट की गई अलसुबह से ही मंदिर परिसर गेंदे के फूलों और विद्युत लड़ियों से जगमगा उठा पवनपुत्र हनुमान का विशेष चोला श्रृंगार किया गया, जो भक्तों के आकर्षण का केंद्र रहा दोपहर 12:15 बजे शुभ मुहूर्त में मंदिर के पुजारी एवं ट्रस्ट अध्यक्ष श्री रामनिवास जी महाराज के सानिध्य में संकटमोचन की महाआरती उतारी गई भगवान को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाकर सुख-समृद्धि की कामना की गई इस दौरान महिला मंडल द्वारा 'भोग लगावो बालाजी' जैसे मधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई पूरा परिसर 'बधाई हो बधाई, अंजनी के लल्ला की' और 'जय श्री राम' के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा उत्सव का विशेष आकर्षण मिल्क केक रहा, जिसे पुजारी जी, नन्हे बाल हनुमान और ट्रस्टियों ने मिलकर काटा भक्तों ने झूमते हुए प्रभु का जन्मोत्सव मनाया इसके पश्चात ढोल-मंजीरों की थाप पर महिला मंडल ने भक्तिमय भजनों से माहौल को राममय कर दिया दोपहर बाद श्री सालासर सत्संग समिति द्वारा सुंदरकांड पाठ का सामूहिक आयोजन किया गया संगीतमय सुंदरकांड की चौपाइयों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर थिरकने लगे कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी भक्तों को प्रसाद का वितरण किया गया आयोजन में मंदिर ट्रस्ट उपाध्यक्ष सांवरिया हरलालका, सचिव संतोष आगाल, कोषाध्यक्ष मनीष डाड, सदस्य,संतोष खेतान, राकेश शर्मा,रघुनाथ विश्नोई,पीताम्बर वैष्णाव, सौरभ चौधरी,राजू वैष्णाव,संजय सिंह बल्ला, योगेश गुर्जर,रामनिवास बिशनोई,राघव नाथानी,मुकेश वैष्णाव, दिनेश कुमार सेन,सुमन अग्रवाल मौजूद रहे कार्यक्रम में बस्ती से बड़ी संख्या में मातृशक्ति, बुजुर्गों और बच्चों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर धर्म लाभ लिया।

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा का शुभारंभ

श्री मद् भागवत कथा का हुआ भव्य शुभारंभ

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। क्षेत्र के ग्राम श्यामगढ़ में ग्रामवासियों द्वारा भगवान चारभुजा नाथ मंदिर प्रांगण परिसर में हरिओम बनेठ वाले महाराज द्वारा संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ और कलश यात्रा का वैदिक मंत्रोचार से शुभारंभ किया।

भगवान चारभुजा नाथ के बेवाण के साथ 111 महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली। जो गांव के मध्य स्थित आशापुरा मंदिर प्रांगण परिसर से गाजे-बाजे के साथ शुरू हुआ, जो गांव के प्रमुख मार्ग से भ्रमण करते हुए पुनः श्यामगढ़ स्थित चारभुजा नाथ मंदिर के कथा स्थल पर पहुंची। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर शामिल हुआ। इस दौरान जगह-जगह पुष्प वर्षा कर कलश यात्रा का अभिनंदन किया। कथा स्थल पर पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने कथा स्थल पर कलश की स्थापना की। तथा देवताओं का आहवान कर पूजा अर्चना से कथा प्रारंभ हुई। इस दौरान महिलाएं सहित ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। समस्त श्यामगढ़ ग्राम पंचायतवासियों और श्री चारभुजा नाथ के संयुक्त तत्वावधान में भगवान चारभुजा नाथ मन्दिर प्रांगण परिसर में सात दिवसीय 'संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ' का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

कलश यात्रा से हुआ श्रीगणेशः आयोजन समिति और ग्रामीणों ने बताया कि कथा का शुभारंभ 2 अप्रैल (गुरुवार) को एक विशाल और भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। यह धार्मिक अनुष्ठान 2 अप्रैल से शुरू होकर 8 अप्रैल तक चलेगा, जो चारभुजा नाथ मन्दिर परिसर में निर्मित भव्य पांडाल में प्रतिदिन दोपहर 12:15 से 3:15 बजे तक कथा वाचक हरिओम बनेठ वाले कथा रसपान कराएंगे।

इस दौरान प्रसिद्ध कथावाचक हरिओम बनेठ वाले महाराज व्यास पीठ पर विराजमान होकर अपने मुखारविंद से श्रीमद् भागवत की महिमा, भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और ज्ञान-वैराग्य का सुमधुर गुणगान करेंगे। समस्त ग्रामवासियों ने क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमियों से इस ज्ञान यज्ञ में पधारकर धर्म लाभउठाने की अपील की है।

चैक अनादरण मामले में 1 वर्ष का कारावास व 1.15 लाख जुर्माना

स्मार्ट हलचल|गंगापुर

चैक अनादरण के मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट गंगापुर की पीठासीन अधिकारी न्यायाधीश दीप्ति स्वामी ने आरोपी बजरंग लाल पुत्र जगदीश दास बैरागी निवासी पोटला को 1 वर्ष का साधारण कारावास व 1 लाख 15 हजार रुपये परिवादी को क्षतिपूर्ति राशि के रूप में देने का आदेश पारित किया। प्रकरण के अनुसार बघेरा निवासी विक्रम सिंह पुत्र अर्जुन सिंह चूंडावत से आरोपी ने एक लाख रुपये उधार लिए थे। जिसके भुगतान के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा का एक चेक दिया था। जो नियत दिनाँक को अनादरित हो गया था। जिस परिवादी ने अधिवक्ता के माध्यम से नोटिस दिया जिसके बावजूद भी आरोपी ने भुगतान नही किया। जिस पर परिवादी ने अधिवक्ता जगदीश बुलीवाल के माध्यम से न्यायालय में परिवाद पेश किया। जंहा न्यायालय ने दोनों पक्षो की सुनवाई के बाद आरोपी को 1 वर्ष के साधारण कारावास व 1 लाख 15 हजार रुपए के जुर्माने से दण्डित किया।जुर्माना राशि नही लौटाने पर आरोपी को 2 माह का कारावास अलग से भुगतने का आदेश दिया।

हनुमानजी महाराज को लगाया 1100 किलो काजू कतली का महाभोग, गूंजे जय हनुमान के जयकारे

हनुमान जयंति पर श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर में महाआरती में उमड़े भक्त

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त श्री हनुमानजी महाराज का जन्मोत्सव गुरूवार को शहर के मुख्य डाकघर के समीप स्थित श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर में उत्साह एवं भक्ति भावना के साथ मनाया गया। हनुमान जन्मोत्सव पर सुबह हनुमानजी महाराज की प्रतिमा को स्वर्ण चोला चढ़ाया गया। दोपहर 12.15 बजे हनुमानजी की महाआरती में शामिल होने के लिए श्रद्धालु उमड़े पड़े। महाआरती मंदिर के महन्त बाबूगिरीजी महाराज ने की। महाआरती के बाद हनुमानजी महाराज को 1100 किलो केसरयुक्त काजूकतली का महाभोग लगाया गया। भक्तिपूर्ण माहौल में बाल हनुमान का रूप धरे बालक के हाथों 11 किलो का केक भी कटवा कर हनुमान जन्मोत्सव की खुशियां मनाई गई। महाभोग एवं केक काटने के दौरान जयश्री राम एवं हनुमानजी महाराज के जयकारे गूंजायमान होते रहे। महाआरती शुरू होने से पहले ही मंदिर में हनुमानजी महाराज के दर्शनों के लिए भक्ति एवं आस्था से ओतप्रोत श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। महाआरती एवं महाभोग के बाद काजूकतली का प्रसाद भक्तों में वितरित करना शुरू हुआ तो प्रसाद पाने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारे लग गई। किसी भी श्रद्धालु को प्रसाद पाने में परेशानी नहीं आए इसके लिए कई कार्यकर्ताओं को प्रसाद वितरण के कार्य में लगाया गया। हनुमान जयंति महोत्सव के अवसर पर मंदिर पर मनमोहक फूलों से विशेष सजावट के साथ भव्य रोशनी की गई।

हनुमानजी महाराज की आराधना में सुंदरकांड की प्रस्तुति

हनुमान जयंति आयोजन के तहत शनिवार रात श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर के बाहर श्री बालाजी सत्संग मण्डल के एसके खण्डेलवाल एवं साथियों द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ की प्रस्तुति दी गई। मंदिर के पूज्य महन्त श्रीबाबूगिरीजी महाराज के सानिध्य में दी गई प्रस्तुति के दौरान सुंदरकांड पाठ का श्रवण करने के लिए बड़ी संख्या में भक्तगण पहुंचे। सुंदरकांड पाठ के माध्यम से हनुमानजी महाराज की भक्ति का लाभ लिया गया। कार्यक्रम का संचालन पंडित अशोक व्यास ने किया।

पंचायत व निकाय चुनाव में देरी पर हाइकोर्ट का निर्वाचन आयुक्त व सचिव को अवमानना नोटिस

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा/ जयपुर

राजस्थान में पंचायत और निकाय चुनावों में देरी को लेकर मामला अब न्यायिक सख्ती के दायरे में आ गया है। राजस्थान हाईकोर्ट ने इस मुद्दे पर गंभीर रुख अपनाते हुए राज्य चुनाव आयोग और चुनाव आयुक्त राजेश्वर सिंह व आयोग के सचिव राजेश वर्मा को अवमानना नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई पूर्व विधायक संयम लोढ़ा द्वारा दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान की गई। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा की खंडपीठ ने गुरुवार को सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग से जवाब तलब किया है। अदालत ने पूछा है कि जब हाईकोर्ट ने पहले ही चुनाव कराने की समय सीमा तय कर दी थी, तो उसके बावजूद निकाय चुनाव के लिए मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण का कार्यक्रम तय समय सीमा से बाहर कैसे जारी किया गया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता पुनीत सिंघवी ने कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार और चुनाव आयोग जानबूझकर चुनाव प्रक्रिया में देरी कर रहे हैं। उन्होंने दलील दी कि आयोग द्वारा 22 अप्रैल तक अंतिम मतदाता सूची जारी करने का कार्यक्रम तय किया गया है, जिससे स्पष्ट है कि 15 अप्रैल तक चुनाव कराना संभव नहीं होगा। यह सीधे-सीधे अदालत के आदेश की अवमानना है।

पुर में दोबारा हुई नालों की सफाई, नालों की सफाई का कार्य ठेके में फिर भी निगम कर्मचारियों द्वारा की जा रही हैं सफाई

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

उपनगर पुर के वार्ड नंबर एक में स्थित नाले की सफाई 5 दिन पूर्व की गई थी लेकिन कचरा बाहर नहीं निकालने के कारण वापस कचरा नाले में मिल गया जिसे फिर वार्ड के जमादार व स्वास्थ्य निरीक्षक द्वारा निगम के ही सफाई कर्मचारियों को लगाकर सफाई करवाई गई लेकिन फिर भी कचरा नाले में ही साइड में करने पर मौके पर पहुंचे राष्ट्रीय मानवाधिकार पर्यावरण सुरक्षा एवं भ्रष्टाचार निवारण संगठन के जिला अध्यक्ष व भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला मंत्री रतनलाल आचार्य ने स्वास्थ्य निरीक्षक को उक्त कचरे को नाले से बाहर निकाल कर गंदगी का स्थाई समाधान करने की कहा जिस पर स्वास्थ्य निरीक्षक ने बताया कि ठेकेदार द्वारा कोई सुनवाई नहीं की जा रही है तथा निगम द्वारा भी जेसीबी उपलब्ध नहीं करवाई गई जिस पर आचार्य ने तुरंत ही निगम के चीफ इंस्पेक्टर संजय खोखर से फोन पर बात कर ठेकेदार को पाबंद करने की कहा जिस पर खोखर ने जानकारी दी कि हमने ठेकेदार के 25लाख रुपए काट लिए हैं। इस पर आचार्य ने आपत्ति जताते हुए कहा कि ठेकेदार को निगम द्वारा एक भी रुपया भुगतान नहीं करना चाहिए क्योंकि ठेकेदार द्वारा जब से ठेका हुआ तब से एक भी बार शहर के किसी भी नालो की सफाई नहीं की गई जिसकी जानकारी निगम के ही सभी स्वास्थ्य निरीक्षकों ने निगम को लिखित में दे रखी है । जिस पर खोखर द्वारा लिखित में शिकायत आयुक्त को देने के लिए कहा। आचार्य ने ठेकेदार द्वारा लापरवाही के चलते नालों की सफाई हेतु स्थाई समाधान करने के लिए पुर में निगम की जेसीबी भिजवाने की मांग की जिस पर खोखर ने कल भिजवा कर नालो की स्थाई सफाई का आश्वासन दिया।

अवैध बजरी खनन पर वार, दो गिरफ्तार एक को शांतिभंग में दबोचा, डंपर और एस्कॉर्ट करती कार जब्त

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

फुलियाकला पुलिस ने अवैध बजरी खनन के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए आरोपी पप्पु जाट व विजय भील को गिरफतार करने के साथ ही एक अन्य आरोपी को शांति भंग में गिरफतार किया और इस मामले में 1 डंपर व एस्कोर्ट कर रही 1 हेरियर कार को जप्त किया। धर्मेन्द्र सिंह द्वारा अवैध खनन की रोकथाम एवं प्रभावी कार्यवाही हेतु शाहपुरा एएसपी राजेश आर्य के निर्देशन व ओमप्रकाश विश्नोई वृत्ताधिकारी वृत शाहपुरा के सुपरविजन में और राजकुमार नायक थानाधिकारी थाना फुलियाकला के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। दिनांक 1 अप्रेल व 2 अप्रेल की रात्री में थानाधिकारी मय जाप्ता के थाना सर्कल में गश्त कर रहे थे कि दौराने गश्त एक डम्पर अवैध बजरी परिवहन करतें हुए व डम्पर को एस्कोर्ट कर रही हेरियर कार को पीपलेश्वर तिराहे के पास आते हुए दिखायी दिये जिन्हे रूकवाया गया व जप्त किया गया । वाहन चालको को मौके से गिरफ्तार किया गया और जब्तशुदा वाहनों को थाना परिसर में खडा करवाया गया व माईनिंग विभाग को सूचना दी और मामला दर्ज कर जांच शुरू की । एवं पुलिस की गतिविधियों पर निगरानी करने पर व सर्कल में सज्ञेय अपराध की रोकथाम हेतु रामराज पिता जगदीश गोदारा निवासी फूलियाकलां को शांति भंग के आरोप में गिरफतार किया गया व वाहन मोटर साईकिल को एमवी एक्ट में जप्त किया गया एवं डंपर में बजरी भरने वाले जेसीबी मालिक कल्याण चाडा निवासी सणगारी की तलाश जारी है ।

पुलिस टीम में फुलियाकला थाना प्रभारी राजकुमार नायक, टोडरमल सउनि, किशोर, सत्यनारायण शामिल रहे ।

ये हुए गिरफ्तार

1 पप्पू पिता रामेश्वर जाट उम्र 33 साल निवासी फूलियाकलां थाना फूलियाकलां जिला भीलवाडा

2 विजय लाल भील पिता शंकरलाल भील उम्र 33 साल निवासी शिवपुरा पुलिस थाना फूलियाकलां जिला भीलवाडा राज.

3. रामराज पिता जगदीश गोदारा उम्र वयस्क निवासी फूलियाकलां जिला भीलवाडा राज. शांति भंग में गिरफ्तार हुआ।

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय गुलमंडी की छात्रा अनु तेली ने विज्ञान वर्ग में भीलवाड़ा जिले को टॉप कर फहराया परचम

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, गुलमंडी (भीलवाड़ा) के लिए इस वर्ष बोर्ड कक्षा 12 का परीक्षा परिणाम अत्यंत गौरवपूर्ण रहा। स्थानीय विद्यालय में कला संकाय का परीक्षा परिणाम 98.91 प्रतिशत , विज्ञान एवं वाणिज्य का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा। विज्ञान संकाय की छात्रा अनु तेली ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भीलवाड़ा जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। अनु तेली ने 98% अंक प्राप्त किए। इसी क्रम में विज्ञान वर्ग से आलिया हयात अंसारी ने 93.8% एवं भावना जोशी ने 90.2% अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। कला वर्ग में भी छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसमें इशारत जहां पठान ने 90.4% तथा उम्मीहानी ने 90% अंक प्राप्त किए।

इस उपलब्धि के अवसर पर आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती अरुणा गारू, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, विशिष्ठ अतिथि डॉ. रामेश्वर प्रसाद जीनगर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, सुवाणा, विधायक प्रतिनिधि श्री संजय जी राठी एवं श्री दुर्गा प्रसाद जी सोनी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि गारू ने बालिकाओ को अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए बधाई दी एवं साथ ही सफलता को निरंतर बनाये रखने के लिए मार्गदर्शन दिया एवं साथ ही जिले में अव्वल रही छात्रा को भविष्य में पढाई जारी रखने के लिए हर संभव सहायता उपलब्ध करने हेतु आश्वस्त किया।

विशिष्ठ अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, सुवाणा जीनगर ने अपने उद्बोधन में कहा की सफलता के लिए लगन एवं अनुशाशन की आवश्यकता होती है , इसमें पढाई का माध्यम बाधा नहीं होता है।

विधायक प्रतिनिधि श्री राठी एवं श्री सोनी ने संपूर्ण जिले का गौरवान्वित करने पर बालिकाओ को बधाई देकर अभिनंदन किया ढ्ढ उन्होंने कहा की लगन, मेहनत और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है एवं भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज और राष्ट्र के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान करे।

विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती सुनीता जीनगर ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को इस शानदार सफलता के लिए बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा की विद्यालय परिवार के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है कि हमारी प्रतिभाशाली बेटियों ने बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर नई ऊँचाइयाँ स्थापित की हैं। आज का यह सम्मान समारोह उनके परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ निश्चय का अभिनंदन है।

उन्होंने कहा की स्थानीय विद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षा में सफलता दिलाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है, ताकि वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफल हो सकें। कार्यक्रम का सफल संचालन व्याख्याता श्रीमती संध्या रानी सिंह द्वारा किया गया । कार्यक्रम के अंत में व्याख्याता डॉ. अनुज नुवाल ने सभी प्रतिभावान छात्राओ को बधाई देते हुए अतिथियों, अभिभावक , समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थीयों का धन्यवाद ज्ञापित किया ढ्ढ इस अवसर पर स्थानीय विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा एवं सभी सफल छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की।

बनेड़ा में नवनिर्मित अंबेडकर भवन सहित करोड़ों के विकास कार्यों का शिलान्यास

स्मार्ट हलचल|बनेड़ा-शाहपुरा

बनेड़ा विधायक लालाराम बैरवा ने गुरुवार को उपखण्ड मुख्यालय पर नवनिर्मित अंबेडकर भवन का उद्घाटन किया ।

विधायक बैरवा ने गुरुवार दोपहर को भीलवाड़ा मार्ग पर बाइपास के निकट लगभग 32 लाख की लागत से निर्मित अम्बेडकर भवन और लगभग साढे चार करोड़ की लागत से निर्मित अटल पथ का सडक का लोकार्पण समारोह मे भाग लिया। इसके पश्चात अम्बेडकर भवन परिसर मे ही लोगों की समस्याओं को सुनकर के सम्बधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात विधायक बैरवा द्वारा बाइपास पर लगभग दो करोड़ की लागत निर्माणाधीन रोडवेज बस स्टैंड के भवन का शिलान्यास किया गया।

इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि विजेन्द्र सिंह राठौड़ रायला भाजपा मंडल अध्यक्ष परमेश्वर पारीक सरपंच संघ के अध्यक्ष प्रद्युमन सिंह राठौड़ पुर्व जिला परिषद सदस्य शंकर लाल कुडी श्याम लाल शर्मा पुर्व युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष राजमल माली सरपंच प्रतिनिधि चांदमल पारीक सुवा लाल गुर्जर गणेश जाट मोहन जाट पुर्व सरपंच प्रहलाद बैरवा सुरेश शर्मा सत्यनारायण शर्मा के साथ ही नगर विकास अधिकारी गणेश नारायण शर्मा पालिका ईओ प्रकाश चन्द्र साहु तहसीलदार संतोष सुनारीवाल सहायक अभियंता पी डब्ल्यू डी सिद्धार्थ सिंह सीबीईओ महेश व्यास थाना प्रभारी बच्छराज चौधरी सहित अन्य जने उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सीए राजु जाट के द्वारा किया गया।

हनुमान जन्मोत्सव पर रायपुर में अखाड़ा प्रदर्शन व हनुमान झांकी सर्वश्रेष्ठ रही

स्मार्ट हलचल

रायपुर। हनुमान जन्मोत्सव को लेकर अखाड़ा हनुमान मंदिर से बजरंग मंडल के नेतृत्व में विशाल शोभायात्रा भक्ति संगीत के साथ कस्बे के बस स्टैंड, नरसिंह द्वारा, बड़ा मंदिर, बाजार की कुई, आवड़ा चौक होते हुए श्री राम मंदिर पर महा आरती के साथ पुनः अखाड़ा हनुमान मंदिर पहुंची जहां प्रसाद वितरण के साथ समापन हुआ। सोमाणी परिवार द्वारा सब हनुमान भक्तों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई। जगह-जगह मार्ग में भक्तों द्वारा प्रसाद विपरीत किया गया। इस अवसर पर सहाड़ा-रायपुर विधायक लादू लाल पीतलिया शोभा यात्रा में शामिल थे। हजारों महिला पुरुषों ने नृत्य करते हुए शोभायात्रा का आनंद लिया। बालक बालिकाओं का अखाड़ा प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। हनुमान झांकी प्रमुख आकर्षक रही। संत मदन मोहन दास महाराज एवं संत दास महाराज का भी सानिध्य मिला।

बनो राम बनो हनुमान प्रतियोगिता आयोजित

रामनवमी व हनुमान जन्मोत्सव के साथ नए कार्यकाल की शुरुआत

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

भोपालगंज माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा अपने नए कार्यकाल की शुरुआत रामनवमी महोत्सव एवं हनुमान जन्मोत्सव के साथ की गई। अध्यक्ष सुमन सोमानी ने बताया कि कार्यक्रम की थीम रामायण तथा हनुमान जन्मोत्सव पर आधारित थी।

सचिव शीतल जागेटिया ने बताया कि कार्यक्रम में रामायण प्रश्नोत्तरी तथा बच्चों के लिए 'बनो राम, बनो हनुमान' प्रतियोगिता आयोजित की गई। 'बनो राम, बनो हनुमान' प्रतियोगिता में हर्ष जागेटिया, अंशिका मूंदडा, माधव कोगटा, सर्वम कास्ट, अनिक कास्ट, आरुष मूंदडा, वैदिका चेचानी, दारिका माहेश्वरी ने मनोरम प्रस्तुति दी। सभी प्रतिभागियों को समान रूप से पुरस्कृत किया गया। 'रामायण' प्रश्नोत्तरी में प्रथम पुरस्कार अंजू माहेश्वरी, द्वितीय पुरस्कार रितु मूंदडा, तृतीय पुरस्कार रेनू समदानी को दिया गया। मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने जानकारी देते हुए बताएं कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राम, लक्ष्मण ,जानकी, हनुमान, अयोध्या के बाल राम की झांकी रही। इसी के साथ सभी ने राम हनुमान भजनों का आनंद लेते हुए कार्यक्रम के अंत में स्नेहभोज का आनंद लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कोषाध्यक्ष अंजना मालू, संगठन मंत्री ललिता सोमानी, अर्चिता झंवर, पिंकी सोमानी, सत्यम मूंदडा, आशा देवपुरा, मधु बाहेती व उपस्थित सभी सदस्यों का पूर्ण सहयोग रहा।

हनुमान जन्मोत्सव पर वाहन रैली व शोभा यात्रा का हुआ आयोजन

कोटा-पटना एक्सप्रेस का प्रस्थान समय परिवर्तित 02 अप्रैल से 12 मई तक 22.10 बजे होगा प्रस्थान

स्मार्ट हलचल |कोटा। रेल प्रशासन द्वारा परिचालनिक आवश्यकताओं के कारण गाड़ी संख्या 13238 एवं 13240 कोटा-पटना एक्सप्रेस का प्र-स्थान समय दिनांक 02.04.2026 से 12.05.2026 तक रात्रि 22.10 बजे रहेगा। यात्रियों से अनुरोध है कि वे यात्रा से पूर्व गाड़ी के प्रस्थान समय एवं प्रस्थान स्टेशन की अद्यतन जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट अथवा एनटीईएस मोबाइल ऐप के माध्यम से अवश्य प्राप्त करें।

सांगोद में बंद पड़ी अन्नपूर्णा रसोई को पुनः शुरू करने की मांग

स्मार्ट हलचल

सांगोद। नगर कांग्रेस कमेटी सांगोद द्वारा नगर अध्यक्ष मनोज सुवालका के नेतृत्व में कस्बे में कुछ दिनों से से बंद पड़ी अन्नपूर्णा (इंदिरा) रसोई योजना को पुनः सुचारू रूप से संचालित करवाने के लिए नगर पालिका प्रशासक माननीय उपखंड अधिकारी सपना कुमारी जी के नाम तहसीलदार जतिन कुमार जी दिनकर को एक ज्ञापन सौंपा गया। नगर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज सुवालका, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मिर्जा शकील अहमद, पूर्व नगर अध्यक्ष राजेंद्र गहलोत एवं जिला कांग्रेस सचिव अफसार प्रधान ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही गरीबों को भोजन उपलब्ध कराने वाली इस योजना को शुरू नहीं किया गया, तो संगठन उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि राजस्थान सरकार की 'कोई भी भूखा न सोए' की संकल्पना को साकार करने वाली इंदिरा(अन्नपूर्णा) रसोई योजना वर्तमान में सांगोद में दम तोड़ रही उन्होंने बिंदुवार बताया कि।

व्यवस्था ठप होने का कारणः सराफा बाजार और सब्जी मंडी स्थित रसोइयों में एलपीजी गैस सिलेंडरों की किल्लत और ठेकेदार द्वारा भुगतान न किए जाने के कारण संचालन पूरी तरह बंद है।

गरीबों पर संकटः वर्तमान में फसल कटाई का सीजन होने के कारण कस्बे में बड़ी संख्या में श्रमिक और मजदूर आ रहे हैं। रसोई बंद होने से इन गरीब लोगों और राहगीरों के सामने दो वक्त की रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

प्रशासन से मांगः कांग्रेस कमेटी ने मांग की है कि प्रशासन हस्तक्षेप कर तकनीकी और आर्थिक बाधाओं को दूर करे और मात्र 8 रुपये में मिलने वाले इस पौष्टिक भोजन की व्यवस्था को अविलंब बहाल करे।

लोकतांत्रिक विरोध की चेतावनी नगर कांग्रेस कमेटी ने स्पष्ट किया कि जनहित के इस मुद्दे पर किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि प्रशासन ने जल्द ही रसोई के चूल्हे दोबारा नहीं जलवाए, तो कांग्रेस कमेटी आमजन के साथ मिलकर सड़कों पर उतरकर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन करेगी। इस अवसर पर नगर प्रभारी जगदीश नागर, नगर संगठन महामंत्री निरंजन जैन, युवा कांग्रेस प्रदेश समन्वयक आशीष गोचर, ब्लॉक उपाध्यक्ष मोहम्मद इब्राहिम, अंकुश शर्मा, नगर महासचिव मोहम्मद शरीफ, नगर सचिव सलीम अंसारी, पूर्व नगर कोषाध्यक्ष मुसव्विर खान, नगर मीडिया प्रभारी असगर अंसारी, नगर सचिव इकबाल सिंगीवाला, युवा नेता सलामुद्दीन, नगर महासचिव दिलीप सेन सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भंडारे में उमड़ा श्रद्धालुओं का हुजूम

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नगर में मिल के बालाजी,पंचतीर्थ बालाजी मंदिर, बावड़ी के बालाजी,सहाड़ा चौपाटी स्थित बालाजी मंदिर, उखाड़ पछाड़ बालाजी सहित अन्य प्रमुख मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए । रामद्वारा के यहां सकल हिंदू समाज के तत्वाधान में बालाजी मित्र मंडल के द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सामाजिक समरसता का उदाहरण देखने को मिला जिसमें आसपास के स्कूलों के विद्यार्थियों सहित बड़ी संख्या में महिलाएं पुरुषों ने महा प्रसाद ग्रहण किया ।शाम को विश्व हिंदू परिषद,बजरंग दल के तत्वावधान में नगर के नीलकंठ मंदिर से वाहनों की एक बड़ी रैली निकाली गई। वाहन रैली में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया, जहां युवाओं ने भगवा पताकाए हाथों में ले रखी और जय जय श्री राम,जयकारे वीर बजरंगी का जयघोष लगा रहे थे ।युवा वर्ग का जोश देखने लायक था। कुंड चौक स्थित बालाजी मंदिर से रात्रि भव्य शोभायात्रा निकाली गई । जिसमें राम, लक्ष्मण, हनुमान की झांकी आकर्षण का केंद्र रहीं । शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होकर पुनः मंदिर पहुंची। जिसमें जगदीश झवर,शोभा लाल जीनगर, पुष्पेंद्र सिंह चौहान, विद्या प्रसाद जोशी, अमृतलाल पटवा, घनश्याम राठौड़ सीए सुनील जोशी, अरविंद चौधरी, दिनेश लक्षकार, पुष्पराज प्रजापत, कन्हैया लाल माली, शुभम शर्मा, हरीश श्रोत्रिय, शंकर लाल,यज्ञदत शर्मा, विनोद पंचोली, राजकुमार सेन, बद्रीलाल जाट, धर्मेंद्र माली, सैकड़ो बजरंगी विशाल वाहन रैली में उपस्थित रहे ।महाआरती करके प्रसाद वितरित किया गया।

विद्यालय प्रवेश उत्सव रैली निकाली

घर घर संपर्क कर बताया शिक्षा का महत्व

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

आसींद क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जबरकिया में प्रवेश उत्सव के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा स्कूल चलो अभियान जागरूकता रैली निकाल कर घर-घर संपर्क किया और शिक्षा का महत्व समझाया। प्रधानाध्यापक बलवीर मीणा ने बताया कि प्रवेश उत्सव रैली का मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों में 6 से 14 वर्ष के बच्चों का अधिक से अधिक नामांकन करना और ड्रापआउट दर को कम करना।

रैली विद्यालय परिसर से होकर गांव के विभिन्न मार्गो से गुजरते हुए निकाली गई। अध्यापक घनश्याम कुमावत ने बताया की शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और हर बच्चे को स्कूल से जोड़ने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए गए।

बच्चों में दिखा उत्साह और संकल्पः

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने स्वागत के बेहद खुश नजर आए छात्रा ने कहां की इस तरह का स्वागत हमे नए स्तर के लिए और अधिक उत्साहित करता है । साथ ही विद्यार्थियों ने तख्तियां लेकर मम्मी पापा हमें पढ़ाओ, स्कूल जाकर नाम लिखाओ'' जैसे नारे लगाए। उसे मौके पर प्रधानाध्यापक बलवीर मीणा,घनश्याम कुमावत, प्रकाश शर्मा, भंवरलाल, इंद्रमल, प्रकाश शर्मा, अध्यापिका ममता जाट, तारा जाट, कृष्णा शर्मा, ओर विद्यालय के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

देवनारायण जन्मभूमि मालासेरी डूंगरी के पुजारी देवकरण पोसवाल बने श्री देवऋषि अखाड़ा के महामंडलेश्वर, जिलेभर में हर्ष

स्मार्ट हलचल|मोड़ का निंबाहेड़ा

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आस्था स्थल श्री देवनारायण जन्मभूमि मंदिर, मालासेरी डूंगरी के पुजारी एवं धर्मसेवी देवकरण पोसवाल को 'श्री देवऋषि अखाड़ा' द्वारा महामंडलेश्वर पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह निर्णय अखाड़ा प्रमुख पूज्य संत सत्यदेव महाराज, अखाड़ा सचिव जितेंद्र जी तथा आचार्य महामंडलेश्वर ऋभदेव महाराज के मार्गदर्शन एवं सहमति से लिया गया।

इस प्रतिष्ठित नियुक्ति की खबर मिलते ही भीलवाड़ा जिले सहित पूरे क्षेत्र के संत समाज, धर्मप्रेमियों एवं श्रद्धालुओं में खुशी और गौरव का माहौल बन गया। मालासेरी डूंगरी जैसे प्रमुख धार्मिक केंद्र से जुड़े देवकरण पोसवाल को यह दायित्व मिलना क्षेत्र के लिए सम्मान की बात माना जा रहा है। देवकरण पोसवाल ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यह सम्मान उनके लिए केवल पद नहीं, बल्कि सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति, गौ सेवा एवं संत समाज की सेवा का पवित्र दायित्व है। उन्होंने अखाड़ा प्रमुख, पूज्य संतों एवं समस्त संत समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन पर जताया गया विश्वास उन्हें समाज और धर्म सेवा के लिए निरंतर प्रेरित करेगा।

उन्होंने संकल्प व्यक्त किया कि वे महामंडलेश्वर के रूप में अपनी जिम्मेदारी पूर्ण निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ निभाते हुए सनातन संस्कृति के संरक्षण, गौ संवर्धन तथा समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों ने इस नियुक्ति को देवकरण पोसवाल के लंबे समय से किए जा रहे धार्मिक एवं सामाजिक योगदान का सम्मान बताते हुए इसे धर्म और सेवा के क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार करने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया है।

चित्तौड़गढ़ कोटा राजमार्ग के टोल अधिकारी ने चैक दिये

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सलावटिया में गुरुवार को बस्सी, आरोली और धनेश्वर विद्यालय की छात्र छात्राओं को छात्रवृति के रूप में 5 और 10 हजार रूपये चैक द्वारा दिये गये। इस कार्यक्रम में चित्तौड़गढ़ कोटा राजमार्ग के टोल अधिकारी एवं सलावटिया स्कूल के प्रधानाचार्य राजेश धाकड़, शिक्षक जगदीश, शाइना सिन्हा, नंदकिशोर और विद्यालय के छात्र-छात्रायें आदि उपस्थित रहे।

हमीरगढ़ हवाई पट्टी से उड़ान की मांग संसद में गूंजी भीलवाड़ा की आवाज

दिल्ली-मुंबई अहमदाबाद एयर कनेक्टिविटी पर जोर

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

हमीरगढ़ हवाई पट्टी के समुचित विकास और वहां से देश के प्रमुख महानगरों–दिल्ली, मुंबई एवं अहमदाबाद–के लिए नियमित हवाई सेवाएं शुरू करने की मांग अब संसद तक पहुंच गई है। भीलवाडा सांसद दामोदर अग्रवाल ने लोकसभा के शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया, जिसमें क्षेत्रीय उड़ान योजना के अंतर्गत हवाई सेवा प्रारंभ करने पर जोर दिया गया। गौरतलब है सांसद अग्रवाल ने चुनाव के दौरान भी जनता से वादा किया था की भीलवाडा को हवाई सेवाओं से जोड़ा जाएगा।

सांसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया कि सासंद अग्रवाल ने सदन में कहा कि हमीरगढ़ हवाई पट्टी से हवाई सेवाएं शुरू होने से भीलवाड़ा और आसपास के क्षेत्रों को औद्योगिक, व्यापारिक और पर्यटन गतिविधियों में नई गति मिलेगी। साथ ही आमजन को सस्ती और सुलभ हवाई कनेक्टिविटी भी उपलब्ध हो सकेगी।

लोकसभा में उठी भीलवाडा की

आवाज से क्षेत्रीय विकास और बेहतर हवाई सुविधा की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। सांसद अग्रवाल ने बताया कि संसद में निर्वाचित होने के तुरंत बाद ही इस मांग को सरकार के समक्ष रखा गया था। सरकार भी इस दिशा में सकारात्मक है और विभिन्न शहरों के लिए उड़ान सेवाएं शुरू करने के पक्ष में है। हालांकि, कई बार प्रक्रिया शुरू होने के बावजूद अब तक किसी भी एयरलाइंस कंपनी ने यहां से सेवाएं शुरू करने में रुचि नहीं दिखाई है। सासंद ने भरोसा दिलाया कि वे लगातार इस मुद्दे पर प्रयासरत हैं और सरकार के माध्यम से एयरलाइंस कंपनियों से संपर्क कर जल्द से जल्द हवाई सेवाएं शुरू करवाने का प्रयास कर रहे हैं।

यदि यह योजना साकार होती है, तो भीलवाड़ा क्षेत्र को देश के बड़े शहरों से सीधी हवाई कनेक्टिविटी मिलना विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

हनुमान जयंती महोत्सव धूमधाम से संपन्न

मांडल रेलवे स्टेशन हनुमान मंदिर में भजन संध्या-जागरण का भव्य आयोजन

स्मार्ट हलचल|मांडल

रेलवे स्टेशन स्थित हनुमान मंदिर परिसर में हनुमान जयंती महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ भव्य रूप से धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सजावट व फूल-मालाओं से सजाया गया। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ दर्शन के लिए उमड़ पड़ी और पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया। महोत्सव के तहत बुधवार रात्रि को भजन संध्या एवं जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें भजन मंडलियों ने एक से बढ़कर एक भक्ति प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। रातभर 'जय श्री राम' व 'जय बजरंगबली' के जयकारों से मंदिर परिसर गूंजता रहा। गुरुवार को श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। आयोजन में जांगड़ा पांचाल लोहार समाज सेवा समिति एवं समाजबंधुओं का विशेष योगदान रहा।

अनियंत्रित टैंकर ने एक दर्जन से ज्यादा वाहनों को लिया चपेट में, पीछे से आई कारे टैंकर से टकराकर एक दूसरे से भिड़ी

मची चीख पुकार कई हुए घायल

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

उदयपुर शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र के देबारी पावर हाउस के पास गुरूवार दोपहर भीषण हादसा हो गया। चित्तौड़गढ़ से उदयपुर की तरफ आ रहे एक टैंकर ने हाईवे पर देबारी पावर हाउस के पास अचानक अनियंत्रित होकर कई वाहनों को चपेट में ले लिया, इस दौरान पीछे आ रही कारें भी टैंकर से टकरा एक-दूसरे से भिड़ती चली गयीं। 10 से 12 कारे, ऑटो, टेंपो और 1 बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और मौके पर चीख-पुकार मच गयी। आसपास के लोग बचाव के लिए दौड़े, सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। क्षतिग्रस्त वाहनों से घायलों को निकाला गया। हादसे में कई लोग घायल हुए हैं, जबकि बाइक सवार युवक गंभीर घायल है। जिनमें 6 लोग हॉस्पिटल भर्ती हैं, बाकि क्षतिग्रस्त वाहन चालकों के चोटें आयी हैं, जो प्राथमिक उपचार के बाद घर चले गए। थानाधिकारी पूरण सिंह राजपुरोहित ने बताया कि देबारी पावर हाउस के सामने हाईवे पर चित्तौड़गढ़ से उदयपुर की तरफ आ रहा एक टैंकर अचानक ढलान पर अनियंत्रित हो गया, अनियंत्रित टैंकर ने आगे चल रहे कई वाहनों को चपेट में लिया, इस दौरान पीछे आ रही कारें भी टैंकर से टकरा एक-दूसरे से भिड़ती चली गयीं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया और कई लोग क्षतिग्रस्त वाहनों में फंस गए। पुलिस ने सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू कर हॉस्पिटल पहुंचाया। हादसे में 6 लोग घायल हैं, इनमें एक बाइक सवार युवक की हालत गंभीर बनी हुई है।प्रथमदृष्ट्या टैंकर के ब्रेक फेल होने या ढलान पर टैंकर के अनियंत्रित होने से हादसा हुआ है। हॉस्पिटल में उपचाररत घायलों और उनके परिजनों के बयान लिए गए , अग्रिम कार्रवाई जारी है। पुलिस ने बताया कि सभी वाहनों को मौके से हटाकर साइड कर यातायात सुचारू कराया । जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह देबारी हाईवे पर इसी जगह के पास एक कैमिकल टैंकर भी पलटा था। तब मौके पर पहुंची पुलिस ने टैंकर को साइड करवा दिया था और फायरब्रिग्रेड की मदद से कैमिकल को सड़क से धो दिया गया था। इसके कुछ घंटों बाद ही यहां यह भीषण हादसा हो गया।

अरावली संरक्षण पर संसद में सशक्त आवाज

सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने खनन व निर्माण गतिविधियों पर सख्त एवं एकरूप दिशा-निर्देशों की मांग की

स्मार्ट हलचल | राजसमंद

लोकसभा क्षेत्र की माननीय सांसद श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय को संसद में प्रभावी रूप से उठाया। उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से अरावली पर्वतमाला सहित देशभर में वनों की कटाई, खनन, बजरी उत्खनन एवं निर्माण गतिविधियों को लेकर स्पष्ट, सख्त एवं एकरूप दिशा-निर्देशों की जानकारी मांगी।

सांसद महोदया ने विशेष रूप से राजस्थान के राजसमंद जिले का उल्लेख करते हुए कहा कि अरावली क्षेत्र में तेजी से बढ़ती निर्माण गतिविधियाँ एवं वनों की कटाई पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही हैं, जिससे क्षेत्र का पारिस्थितिक संतुलन प्रभावित हो रहा है।

उन्होंने केंद्र सरकार से स्पष्ट रूप से जानना चाहा कि क्या वर्तमान में इन गतिविधियों के नियमन हेतु देशभर में समान रूप से लागू होने वाली कोई सुदृढ़ नीति या मार्गदर्शिका है। साथ ही उन्होंने यह भी पूछा कि यदि मौजूदा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, तो क्या सरकार पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने हेतु एक प्रभावी, पारदर्शी एवं एकरूप नीति लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाने जा रही है।

श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ ने कहा कि अरावली पर्वतमाला देश की अमूल्य प्राकृतिक धरोहर है, जिसका संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखते हुए कड़े और स्पष्ट नियमों का निर्धारण आवश्यक है, ताकि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने केंद्र सरकार से इस विषय पर शीघ्र और निर्णायक कार्रवाई की अपेक्षा व्यक्त की।

माली सैनी युवा अधिवेशन एवं सम्मान समारोह 11 अप्रेल को

स्मार्ट हलचल

बारां। महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती के अवसर पर आगामी 11 अप्रैल को माली सैनी युवा अधिवेशन एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह की तैयारीया जोर शोर से चल रही है। नवयुवक मंडल अध्यक्ष राकेश सुमन वीरपुरा ने बताया कि समारोह में 10वीं 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं समेत समाज की विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने एवं उत्कृष्ट कार्य काने वाले समाज बंधुओ को भी सम्मानित किया जाएगा। कोषाध्यक्ष नरेश सुमन ने बताया सोमवार को अंता सोरसन मिर्जापुर खजूरना आदि गांवों में जाकर लोगों को पंपलेट एवं पीले चावल वितरित कर समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। इस मौके पर नवयुवक मंडल के हरिओम सुमन, संगठन महामंत्री ललित सुमन, वार्ड पार्षद नीरज चौहान, रिटायर्ड व्याख्याता कालूराम सुमन समेत बड़ी संख्या में समाजबंधु मौजूद थे।

भक्ति और शक्ति का संगमः हनुमान जन्मोत्सव पर निकली शोभायात्रा

कोटा के आए छोटे-छोटे बच्चों ने मलखंभ प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मनमोहा

स्मार्ट हलचल

महुवा। उपखंड मुख्यालय के पुरानी तहसील रोड स्थित प्राचीन कुबडी वाले हनुमान जी के मंदिर पर गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर भगवान हनुमान जी प्रतिमा को पुष्पों सजाकर छप्पन भोग की झांकी सजाई गई।

इस दौरान भक्ति और उल्लास उड़ती झांकियों, बानर सेना और कोटा से आए छोटे-छोटे बच्चों द्वारा मलखंभ प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया इसे देखने वालों जनसैलाब उमर गया

हनुमान जयंती के पावन अवसर पर हनुमान की भव्य शोभायात्रा ने पूरे नगर को भक्तिमय रंग में रंग दिया। शोभायात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी रही, जिससे महुवा की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ पड़ा।

शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण हनुमान जी की उड़ती हुई अद्भुत झांकियां रहीं, जिन्हें देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। इसके साथ ही भोले बाबा की झांकी, बानर सेना की जीवंत प्रस्तुतियां और कोटा से आए छोटे-छोटे बच्चों द्वारा मलखंभ के रोमांचक प्रदर्शन ने दर्शकों का मन मोह लिया। कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए करतबों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में एक दर्जन से अधिक भव्य एवं आकर्षक झांकियां निकाली गईं, जो धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का जीवंत चित्रण कर रही थीं। शोभायात्रा के दौरान पूरे मार्ग में 'जय श्री राम' और 'बजरंगबली की जय' के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा।

नगर के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया और जगह-जगह जलपान व प्रसादी की व्यवस्था भी की गई। इस आयोजन ने महुवा में आस्था, उत्साह और सामाजिक एकता का अनूठा संदेश प्रस्तुत किया।

कुबडी वाले हनुमान जी मंदिर के पुजारी राजा राम ब्रह्मचारी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कुबडी वाले हनुमान के मंदिर से विशाल शोभायात्रा दर्जनो और जीवंत झांकियां के साथ से विशाल हनुमान जी की शोभायात्रा निकाली गई शोभा यात्रा महुवा के पुरानी तहसील रोड, गुर्जर मोहल्ला, पंडित मोहल्ला, पाराशर मोहल्ला ,हिंडौन रोड, थाने के सामने सब्जी मंडी, सर्राफा बाजार, गणेश चौक, मुख्य बाजार, होते हुए वापस हनुमान मंदिर पहुंची

इस दौरान शोभा यात्रा का महुवा के अनेक सामाजिक संगठनों द्वारा पुष्प वर्षा कर जलपान कराकर स्वागत सत्कार किया गया मंदिर पहुंचने पर प्रसादी वितरण की गई।

इस अवसर पर युवाओं के साथ सर्व समाज के गणमान्य नागरिक माता बहनो मौजूद रहे।

काछोला में हनुमान जयंती पर भव्य शोभायात्रा

स्मार्ट हलचल | काछोला

कस्बे में हनुमान जयंती के अवसर पर गुरुवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें 40 गांव चौखला के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा में श्रद्धालु 'जय श्रीराम, जय हनुमान' और 'वीर बजरंग बली की जय' के जयघोष लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे।

शोभायात्रा में ऊंट, घोड़े और पालकी विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। वहीं बीगोद के गुरु गोविंद सिंह के सानिध्य में काछोला व बीगोद के पहलवानों द्वारा अखाड़ा प्रदर्शन किया गया, जिसमें हैरतअंगेज करतब दिखाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया।कार्यक्रम की खास बात यह रही कि बेटियों ने भी अखाड़ा प्रदर्शन कर शानदार और साहसिक करतब प्रस्तुत किए, जिसे लोगों ने खूब सराहा।

हनुमान जन्मोत्सव पर निकली शोभायात्रा, सुंदरकांड पाठ आयोजित

स्मार्ट हलचल | बूंदी

नाहर का चौहटा ओम सुंदरकांड नवयुवक मंडल समिति द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया।

समिति संयोजक सुरेंद्र भारद्वाज, संरक्षक विजय शंकर ट्रेलर, धीरज सिंह, सलिम भाटी, अध्यक्ष विनोद सिंह ने बताया कि आज सुबह विधिवत पुजा अर्चना के बाद बालचंद पाड़ा स्थित अभयनाथ महादेव मंदिर से कलश यात्रा निकाली गई जो बुलबुल के चबुतरे पर पहुंच संपन्न।

हुई कलश यात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। महिलाओ ने भजनो की धुनों पर नृत्य किया। बीती रात नाहर का चौहटा स्थित बुलबुल के चबूतरे पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ।

जिसमें सेकाडो धर्मप्रेमियों ने भाग लिया। भजनों की धुनों पर महिला-पुरूषों, बच्चों ने नृत्य करते हुए जय श्री राम, जय हनुमान के नारे लगाए। आज शाम को नवलसागर पार्क गणेश व्यायाम शाला से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।

जो शहर के मुख्य मार्ग से होती हुई लंका गेट रेतवाली महादेव स्थित लंक विजेश्वर मंदिर पहुंच महाआरती के बाद संपन्न होगी। शोभायात्रा में मुख्य आर्कषण के केन्द्र अखाडे होंगे। अखाडों में नन्हे, मुन्हे बच्चे भी अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए नजर आएंगे।

शोभायात्रा को लेकर सभी तैयारिया पुर्ण कर ली गई है। शोभायात्रा मार्ग को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। शोभायात्रा में शहर के गणमान्य लोग, सामाजिक, राजनैतिक के सदस्य मौजूद रहे।

दुकानदारों को कचरा को रोड पर या नाले में डालने को लेकर समझा गया

स्मार्ट हलचल

सांगोद। 2 अप्रेल को नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी मनोज कुमार मालव के द्वारा मार्केट में दुकानदारों को कचरा न फैलाने की समझाइश की गई एवं प्रत्येक दुकानदार को नगर पालिका द्वारा अनुरोध पत्र वितरित किया गया। जिसमें बताया गया कि आपके व्यवसायिक प्रतिष्ठान पर गीला व सूखा कचरा अलग-अलग कर प्रतिदिन कचरा संग्रहण वाहन में ही डाले ताकि अपने सांगोद नगर को स्वच्छ, सुन्दर एवं बीमारिया रहित बना सके। फिर भी किसी भी दुकानदार द्वारा सडक पर कचरा डाला जाता है तो मजबूरन नगर पालिका को जुर्माना लगाना पडेगा। नगर पालिका द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत यह कार्यवाही की जा रही है, जिससे शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर कनिष्ठ अभियंता हर्ष यादव, कार्यवाहक सफाई निरीक्षक हंसराज एवं एम आई एस इंजीनियर घासीलाल उपस्थित रहे।

आरजीएचएस में दवाइयां नहीं मिलने से परेशान पेंशनरों ने दिया ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | बून्दी

राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना आरजीएचएस के संकट को लेकर राजस्थान पेंशनर मंच ने राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन प्रस्तुत किया। जिलाध्यक्ष घनश्याम दुबे एवं महामंत्री शंभू दयाल मेहरा ने बताया कि 25 फरवरी से निजी सूचीबद्ध हॉस्पिटल ने ओपीडी एवं निजी सूचीबद्ध दुकानदारों ने दवाइयां देना बंद कर रखा है। दवाइयां नहीं मिलने से पेंशनर्स इलाज के लिए दर-दर भटकने पर मजबूर हो गए हैं। ज्ञापन में तत्काल 50 प्रतिशत राशि जारी करने तथा रिंग फेंसड बजट सुनिश्चित कर योजना को बचाने की मांग की है। साथ ही इसे प्रशासनिक समस्या न मानकर मानवीय एवं

आपातकालीन समस्या मानकर शीघ्र वार्ता कर हल निकालने की मांग की गई है जिससे पेंशनर्स को सेवानिवृत्ति के बाद भी आंदोलित होने से बचाया जा सके। ज्ञापन देने वालों में मुख्य संरक्षक छुट्टनलाल शर्मा, सभाअध्यक्ष रामनिवास मीणा, कार्यकारी अध्यक्ष बृजसुंदर शर्मा, उप सभाध्यक्ष गोपाललाल मेघवाल, शहर अध्यक्ष अनिल गुप्ता, विठ्ठल सनाढ्य, उपाध्यक्ष भंवरलाल सेन, छोटूलाल बैरवा सहित अन्य पेंशनर मौजूद रहे।

ये बालाजी पूरी करते हैं सबकी मुरादें, 300 साल से भी ज्यादा पुराना है मंदिर

स्मार्ट हलचल

अजमेर। राजस्थान के हृदय स्थल माने जाने वाले अजमेर शहर के मध्य स्थित बजरंगगढ़ बालाजी मंदिर एक बार फिर हनुमान जयंती के अवसर पर श्रद्धा और आस्था का केंद्र बन गया। 300 वर्षों से अधिक प्राचीन इस मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे और पूरे दिन भक्तिमय माहौल बना रहा। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर यहां भव्य मेले का आयोजन किया गया, जिसमें शहर सहित दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

12 बजे हुई महाआरती

हनुमान जयंती के मौके पर मंदिर को विशेष रूप से आकर्षक सजावट से सजाया गया। बालाजी को छप्पन भोग अर्पित किया गया और सुबह से ही धार्मिक कार्यक्रमों का दौर शुरू हो गया। मंदिर में सुबह सुंदरकांड का पाठ आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इसके बाद दोपहर 12 बजे महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें शहरवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और बालाजी के जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

300 साल पुराना है मंदिर

बजरंगगढ़ के नाम से प्रसिद्ध यह मंदिर विश्वभर में अपनी विशेष पहचान रखता है। मंदिर के व्यवस्थापक रणजीत मल लोढ़ा के अनुसार, यह धाम स्वयंभू प्रकट बालाजी का स्थान है, जहां भक्तों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है। उन्होंने बताया कि करीब 300 वर्ष पूर्व इस मंदिर का निर्माण कराया गया था और तब से यह स्थान श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। हनुमान जयंती के अवसर पर मंदिर में दर्शन के लिए लंबी कतारें देखने को मिलीं। श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचे और बालाजी के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। पूरे दिन मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा और भजन-कीर्तन के साथ श्रद्धालु भगवान हनुमान की भक्ति में लीन नजर आए।

स्थानीय लोगों का मानना है कि बजरंगगढ़ बालाजी मंदिर में सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना पूर्ण होती है। यही कारण है कि हर वर्ष हनुमान जयंती पर यहां श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ता है और यह धाम एक बड़े धार्मिक आयोजन का केंद्र बन जाता है।

गांव में पहली बार 90% के करीब पहुंचने वाली बालिकाओं का स्वागत

स्मार्ट हलचल

स्थानीय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टीला खेड़ा में कक्षा 10 में 91.33 प्रतिशत प्राप्त करने वाली दीपिका कुंवर कक्षा 12 में 90.60 प्रतिशत प्राप्त करने वाली निधि वैष्णव 90.20 प्राप्त करने वाली गोपी गमेती 89.60 प्राप्त करने वाली मनीषा वैष्णव व 85% से अधिक अंक अर्जित करने वाली रुचिका कुंवर डोडिया, हिमांशी कुंवर व राजू गमेती का समस्त ग्राम जनों ने टीलाखेड़ा व कमलोद में भव्य शोभायात्रा निकालकर गांव के मध्य स्थित हनुमान मंदिर चौराहा पर साफा व माल्यार्पण से स्वागत किया।

प्रवेशोत्सव प्रभारी दुर्गा पारत ने बताया कि इस अवसर पर प्रधानाचार्य संतोष कुमार व्यास, एसडीएमसी अध्यक्ष चोक चंद भोई, समाजसेवी प्रभु लाल भोई, पूनम चंद व समस्त ग्राम जनों ने उपस्थित रहकर बालिकाओं का स्वागत किया। ग्रामीणों ने प्रथम बार इतनी बड़ी संख्या में श्रेष्ठतम परिणाम प्राप्त करने पर छात्राओं पर पुष्प वर्षा व गुलाब जामुन व अलग अलग मिठाईयां खिलाकर स्वागत किया। हनुमान जयंती निमित्त सभी ने हनुमान चालीसा का पाठ भी किया । विद्यालय से सुरेश राव, जया भगोरा, मोहनलाल जाट, कमलेश शर्मा, रजनीश डामोर, निर्मला सालवी, शक्ति सिंह आर्टिस्ट, रचना दवे, मीनाक्षी गर्ग समेत सभी गुरुजन उपस्थित थे।

विधायक आक्या ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री से की दुर्ग पर विकास कार्यो की मांग

स्मार्ट हलचल | ओम जैन

चित्तौड़गढ़(विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने चित्तौड़गढ़ के ऐतिहासिक दुर्ग में विभिन्न विकास कार्य कराये जाने की भारत सरकार से मांग की है।

विधायक आक्या ने केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को पत्र लिखकर चित्तौड़गढ़ दुर्ग को विकसित किये जाने की मांग करते हुए बताया की चित्तौड़गढ़ दुर्ग अपनी स्थापत्य कला, गौरवशाली इतिहास के लिए विश्व विख्यात है। इस दुर्ग को 7 वीं शताब्दी में मौर्य शासको द्वारा बनवाया गया था। 700 एकड़ में फेले इस दुर्ग को गढ़ो का सिरमौर कहा जाता है। यह मेवाड़ की वीरता और त्याग का प्रतीक है। 2013 में चित्तौड़गढ़ दुर्ग को युनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था। इस दुर्ग को देखने के लिए प्रतिवर्ष देश विदेश से लाखों की संख्या में पर्यटक आते है। इस ऐतिहासिक धरोहर पर पर्यटको की सुविधा को देखते हुए कुछ प्रमुख कार्यो को किया जाना नितांत आवश्यक है। इन कार्यो के तहत चित्तौड़गढ़ दूर्ग पर आवागमन के लिए एक ही मार्ग होने एवं इस मार्ग पर सकरे द्वार होने से एक बार में एक ही वाहन आ जा सकता है। इस वजह से अनेक बार पर्यटक घण्टों वाहनों के जाम में फसे रहते है। आये दिन लगने वाले जाम की वजह से अनेक बार पर्यटक दूर्ग पर भ्रमण ही नहीं कर पाते है। इस समस्या के निराकरण हेतु दूर्ग पर स्थित सुरजपोल द्वार को आवागमन के रूप में विकसित किया जाए।

विधायक आक्या ने बताया की चित्तौड़गढ़ दूर्ग पर पर्यटको की भागीदारी बढ़ाने हेतु अत्याधुनिक सुविधाओ युक्त ओरिएंटेशन गैलेरी, प्रदर्शनी स्थल, कैफेटेरिया की महती आवश्यकता है। इन सुविधाओ के अभाव में पर्यटको को परेशानियो का सामना करना पड़ता है। दुर्ग पर मल्टीमीडिया सुविधाओ में विस्तार करते हुए डिजीटल इमर्सिव थिएटर स्थापित किये जाने की आवश्यकता है। इसके माध्यम से दुर्ग को ऐतिहासिक परिदृश्य को बाधित किए बिना प्राचीन काल की सांस्कृतिक पहचान को पर्यटको के सामने जीवन्त प्रस्तुत किया जा सकेगा।

विधायक आक्या ने केंद्रीय मंत्री को पत्र लिखकर बताया की दुर्ग पर प्रमुख पुरातात्विक वस्तुओ को प्रदर्शित करता हुआ द्वि/त्रि भाषी डिजीटल सूचना बोर्ड लगाया जाने की आवश्यकता है। दुर्ग की कहानियों को बया करने वाली मूर्तिकलां स्थापित किये जाने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। चित्तौड़गढ़ के गौरवशाली इतिहास को जीवन्त रखने के लिए मेवाड़ के महान शासकों व वीर-वीरांगनाओं की आदमकद प्रतिमाओं का निर्माण करवाया जावें। चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर होटल के अभाव में पर्यटको का रात्री ठहराव नही हो पाता है। अतः दुर्ग पर तीन सितारा/पांच सितारा होटल खोला जाना आवश्यक है।

विधायक आक्या ने अपने लिखे पत्र में बताया कि चित्तौड़गढ़ दुर्ग को ऐसे गतिशील, आकर्षक और शैक्षिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता हो।

परशुराम प्राकट्य महोत्सव तैयारी को लेकर आदिगौड़ ब्राम्हण सभा की बैठक

स्मार्ट हलचल | कोटा

आदि गौड़ ब्राह्मण सभा, कोटा के पदाधिकारियों की भगवान परशुराम प्राकटय महोत्सव के अवसर पर निकाले जाने वाली भव्य शौभायात्रा की तैयारी को लेकर एक बैठक समाज के मंदिर गौड़ेश्वर हनुमान मंदिर जवाहर नगर पर मंदिर समिति के पूर्व अध्यक्ष कैलाश नारायण शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । गौड़ेश्वर हुनमान मंदिर समिति के पूर्व उपाध्यक्ष श्याम मनोहर हरित ने बताया की बैठक में सर्व सम्मति से परशुराम जयंती पर समाज की तरफ से शोभायात्रा आयोजन समिति को समाज की ओर से सहयोग राशि देने एवं भव्य शोभायात्रा में फल वितरण एवं यात्रा पर पुष्प वर्षा करने तथा महिला मण्डल की ओर से तलवारी बाजी के प्रदर्शन सहित अन्य प्रमुख मुद्दो पर चर्चा की गई । बैठक में आदिगौड़ ब्राम्हण सभा, कोटा के अध्यक्ष घनश्याम शर्मा लालाहेड़ा, गौड़ेश्वर हुनमान मंदिर समिति के अध्यक्ष श्याम सुन्दर शर्मा, महामंत्री कुंज बिहारी शर्मा, पूर्व अध्यक्ष कैलाश नारायण शर्मा, पूर्व उपाध्यक्ष श्याम मनोहर हरित, पुरूषोत्तम शर्मा, गिरधर गोपाल शर्मा, मनीष कुमार शर्मा, भैरूलाल शर्मा, रामचन्द्र शर्मा ने अपने-अपने सुझाव दिये इस बैठक के दौरान संचालन राजैन्द्र शर्मा ने किया।

ब्यावर में गूंजी हुंकार: डोटासरा और जूली की मौजूदगी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भरा जोश, भाजपा के खिलाफ लोकतंत्र बचाने का लिया संकल्प

मिशन 2028 की तैयारी? ब्यावर के मोतीमहल गार्डन में हजारों की भीड़ देख गदगद हुए दिग्गज नेता।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए ब्यावर की सड़कों पर उतरेगा कांग्रेस का सिपाही: डोटासरा

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर गुरुवार को ब्यावर के मोतीमहल गार्डन में 'संगठन बढ़ाओ - लोकतंत्र बचाओ' जिला स्तरीय सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की उपस्थिति में कांग्रेस ने अपनी ताकत दिखाई। हजारों की संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने गगनभेदी नारों के साथ भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध जताया।

सरकार पर तीखा प्रहार :

सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि भाजपा सरकार लोकतंत्र की मर्यादाओं को ताक पर रख रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना कर निकाय और पंचायत चुनाव टालना जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। डोटासरा ने कार्यकर्ताओं को मंत्र दिया कि संगठन को बूथ स्तर तक 'वज्र' की तरह मजबूत करें ताकि आने वाले समय में इस तानाशाही का अंत किया जा सके।

धरातल पर जनसुविधाएं ठप : टीकाराम जूली

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश सरकार को घेरते हुए कहा कि भाजपा केवल विज्ञापन और इवेंट तक सीमित है। धरातल पर जनता पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है। उन्होंने संकल्प दोहराया कि कांग्रेस सदन से लेकर सड़क तक जनता की आवाज उठाती रहेगी।

स्थानीय नेतृत्व का जोरदार स्वागत:

जिलाध्यक्ष किशोर चौधरी के नेतृत्व में आयोजित इस सम्मेलन में डोटासरा और जूली का साफा पहनाकर पारंपरिक स्वागत किया गया। चौधरी ने कहा कि ब्यावर से उठी यह लहर पूरे राजस्थान में कांग्रेस की नई ऊर्जा का केंद्र बनेगी। सम्मेलन का सफल संचालन ब्लॉक अध्यक्ष अजय शर्मा ने किया।

दिग्गज नेताओं का जमावड़ा:

इस अवसर पर किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी, पूर्व मंत्री नसीम अख्तर इंसाफ़, पूर्व विधायक राकेश पारीक, सुदर्शन सिंह रावत, सुरेन्द्र गोयल सहित अजमेर और ब्यावर जिले के तमाम वरिष्ठ नेता, पार्षद और बड़ी संख्या में समर्पित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

घाड़ में गौतम जयंती और हनुमान जन्मोत्सव, शोभायात्रा निकाली

स्मार्ट हलचल

घाड़ (देवली), टोंक। घाड़ कस्बे में बुधवार को गौतम जयंती और हनुमान जन्मोत्सव का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कस्बे के मुख्य मार्गों से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर में ब्रजवासी मंदिर से हुआ, जहाँ से गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा शुरू हुई। इस शोभायात्रा में विभिन्न देवी-देवताओं की मनमोहक झांकियां सजाई गई थीं, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहीं। जुलूस कस्बे के मुख्य बाजार से होते हुए गौतम भवन पहुँचा। पूरे रास्ते श्रद्धालु भजनों पर झूमते-नाचते और नृत्य करते हुए उत्सव का आनंद लेते दिखे।

गौतम भवन पहुँचने पर भगवान की विधि-विधान से महाआरती की गई। इसके बाद छप्पन भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान समाज के वक्ताओं ने महर्षि गौतम और हनुमान जी के जीवन आदर्शों पर प्रकाश डाला। इस आयोजन में पुजारी राम-लक्ष्मण शर्मा, दामोदर भारद्वाज, त्रिलोक शर्मा, ओमप्रकाश चास्टा, तुलसीराम पंचोली, गोपाल, राजेन्द्र, रमेश भारद्वाज, शम्भूदयाल शर्मा, रामलाल शर्मा, ताराचंद त्रिपाठी, रूपनारायण शर्मा, दीपक पंचोली, भगवान शर्मा, मुकुट बिहारी, बालमुकुंद शर्मा, कैलाश, गोविंद भारद्वाज, विवेक, आलोक भारद्वाज, कुलदीप शर्मा, श्याम शर्मा, रमेश पंचोली, मनीष शर्मा, हनुमान शर्मा, कैलाश शर्मा, आशु गौतम, चेतन चास्टा सहित गौतम ब्राह्मण समाज के कई गणमान्य लोग और ग्रामीण उपस्थित रहे।

ब्यावर में अवैध गैस कारोबार पर सर्जिकल स्ट्राइक: 118 सिलेंडर जब्त, माफियाओं में हड़कंप

अवैध एलपीजी रिफिलिंग पर जिला प्रशासन सख्त, कलेक्टर बोले- कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिले में अवैध एलपीजी कारोबार और गैस की कालाबाजारी के खिलाफ जिला प्रशासन ने मोर्चा खोल दिया है। जिला कलेक्टर श्री कमल राम मीना के सख्त निर्देशों पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अब तक 118 घरेलू और व्यावसायिक सिलेंडर जब्त किए जा चुके हैं।

छापेमारी और कानूनी कार्रवाई

जिला रसद अधिकारी अब्दुल सादिक के नेतृत्व में प्रवर्तन अधिकारी सोहन सिंह चौहान और निरीक्षक विक्रांत मथुरिया की टीम ने शहर के विभिन्न इलाकों में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई दुकानदार बिना किसी वैध बिल, वाउचर या उपभोक्ता डायरी के

कंपनियों के सिलेंडर बेचते पाए गए। प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक एफआईआर दर्ज की है और 10 प्रकरणों को जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय में पेश किया है।

जिला रसद अधिकारी ने उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है कि जिले में गैस की कोई कमी नहीं है। कंपनियों के पास पर्याप्त स्टॉक है और पंजीकृत केंद्रों पर सप्लाई सुचारू है। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध रिफिलिंग और भंडारण करने वालों के खिलाफ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

कलेक्टर की अपील और हेल्पलाइन

जिला कलेक्टर ने जनता से अपील की है कि वे केवल वैध दस्तावेजों के साथ अधिकृत डीलरों से ही गैस लें। यदि कहीं भी अवैध गैस का खेल चल रहा हो, तो तुरंत निम्नलिखित

नंबरों पर सूचना दें:

प्रशासनिक मदद: 181
कंट्रोल रूम: 01462-299314, 14435
पुलिस सहायता: 112

'सरकार आमजन की सुरक्षा और पारदर्शी सेवाओं के लिए प्रतिबद्ध है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कदम उठाए जाएंगे।' - जिला प्रशासन, ब्यावर।

'नशा छोड़ो–परिवार जोड़ो' अभियान का आगाज

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। शहर को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालने और एक स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए जिला प्रशासन, जिला पुलिस एवं श्री जीव दया सेवा संस्था (रजि.) ने एक बड़ी मुहिम शुरू की है। इस साझा पहल के तहत 'नशा छोड़ो – परिवार जोड़ो' संदेश के साथ विशेष जागरूकता पोस्टरों और स्टीकरों का विमोचन किया गया।

प्रमुख अधिकारियों द्वारा विमोचन

जिला पुलिस अधिकारी रतन सिंह के मार्गदर्शन में, सिटी थाना प्रभारी आशुतोष पांडे ने इन पोस्टरों का विमोचन किया। इस दौरान शहर के सार्वजनिक स्थानों, टेम्पो और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में ये पोस्टर लगाकर लोगों को जागरूक करने की योजना बनाई गई है। कार्यक्रम में ट्रैफिक इंचार्ज पूनम चन्द विश्नोई और हवलदार मेजर मंगल चंद सहित पुलिस प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद रहे।

समाजसेवियों और सीएलजी सदस्यों की भागीदारी

इस अभियान को सफल बनाने के लिए समाज के प्रबुद्ध नागरिक भी आगे आए हैं।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से: मुकेश बंग व दिलीप कुमार जैन (सीएलजी सदस्य एवं समाजसेवी) लालचंद सांखला (अध्यक्ष, श्री जीव दया सेवा संस्था) कपिल सेन (सचिव, संस्था) मोनू भाई स्वर्ण गंगा, राम पंजाबी, राजेंद्र खत्री, और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पहचान रहेगी गुप्त, पुलिस ने मांगी मदद

अभियान का उद्देश्य न केवल जागरूकता फैलाना है, बल्कि नशे के अवैध कारोबार पर लगाम लगाना भी है। पुलिस प्रशासन ने जनता से अपील की है कि: युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करें। नशे के अवैध कारोबार की सूचना तुरंत पुलिस को दें। विशेष नोट: सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम और पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। 'समाज के सक्रिय सहयोग के बिना नशा मुक्ति संभव नहीं है। हर नागरिक को इस अभियान में अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी ताकि हम सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की ओर बढ़ सकें।' – प्रशासनिक संदेश यह पहल ब्यावर में नशे के खिलाफ एक निर्णायक लड़ाई की शुरुआत मानी जा रही है।

कनेरा में भव्य शोभायात्रा पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना की ओर से कांग्रेस जनों ने कि पुष्प वर्षा

स्मार्ट हलचल

कनेरा / श्री बालाजी महासंघ कनेरा के तत्वाधान में भगवान श्री हनुमानजी महाराज की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का स्वागत पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की ओर से कनेरा मण्डल कांग्रेस परिवार द्वारा पुष्प वर्षा कर आत्मीय अभिनंदन के साथ किया गया।

शोभायात्रा कनेरा के मुख्य मार्गों से होते हुए बस स्टैंड पहुंची, जहां 'जय श्री राम' के जयघोष के बीच श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया।

इस अवसर पर पूर्व सरपंच तुलसीराम धाकड़,जिला कांग्रेस कमेटी सचिव किशन मेष,कनेरा नगर कांग्रेस अध्यक्ष निवास नायमा,कनेरा युवा कांग्रेस अध्यक्ष कन्हैयालाल मेघवाल,नन्द किशोर पचोरिया, निर्भयराम बीर, गौरी लाल सुथार, मनीष धाकड़, फुलेश दायमा, हर्षित दायमा, यशवंत परोचा, मुकेश नायमा सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता, ग्रामवासी एवं भक्तजन उपस्थित रहे।

आशापुरा माता धाम में हनुमान जन्मोत्सव की धूम सवा लाख बातियों से उतरी बालाजी की महाआरती

भक्ति का सैलाब: पंचमुखी बालाजी का अलौकिक श्रृंगार और 2100 रोट का महाभोग

स्मार्ट हलचल

ब्यावर स्थानीय आशापुरा माता धाम में हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में हनुमान जन्मोत्सव गुरुवार को अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर में स्थित श्री पंचमुखी बालाजी के अलौकिक श्रृंगार और दिव्य दर्शनों ने भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उत्सव के दौरान पूरा मंदिर परिसर फूलों, गुब्बारों और मनमोहक विद्युत सज्जा से जगमगा उठा।

सुबह से ही लगा भक्तों का तांता

मंदिर समिति के सह सचिव सुरेश वैष्णव ने बताया कि सुबह से ही भक्त बालाजी के दर्शन के लिए जुटने लगे थे। प्रातः 10 बजे पंचामृत अभिषेक के साथ उत्सव की शुरुआत हुई। मंदिर के अर्चक ने पंचमुखी बालाजी की प्रतिमा का ऐसा जीवंत और अद्भुत श्रृंगार किया कि भक्त देखते ही रह गए।

भजन और सुंदरकांड की रही धूम

दोपहर 1 बजे से नगर के प्रसिद्ध 'राधे म्यूजिकल ग्रुप' द्वारा संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया गया। भजनों की प्रस्तुति पर उपस्थित मातृशक्ति और श्रद्धालु झूम उठे और नृत्य कर वातावरण को और भी भक्तिमय बना दिया।

2100 रोट का भोग और महाआरती

शाम 5 बजे बालाजी के अतिप्रिय 'रोट' का विशेष भोग लगाया गया, जिसमें 2100 रोट की आकर्षक झांकी सजाई गई। शाम 7 बजे उत्सव का मुख्य आकर्षण 'सवा लाख बातियों' की महाआरती रही। इसके साथ ही 131 महिलाओं ने सामूहिक रूप से आरती की, जिससे पूरा परिसर जयकारों से गूंज उठा।

प्रसाद वितरण

महाआरती के पश्चात शाम 7:30 बजे से रोट प्रसाद का वितरण किया गया, जिसे ग्रहण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम देखे गए।

कांग्रेसियों ने राठौर का जन्म दिन मनाया

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। पूर्व विधायक अजमेर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ, राजकुमार जयपाल व आरटीडीसी पूर्व अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह राठौर के जन्मोत्सव पर पुष्कर एनएसयूआई अध्यक्ष मधुसूदन मैक्स द्वारा कई सेवा कार्य कर व अपने साथियों सहित उनके निवास स्थान पर जाकर मल्यार्पण कर केक कटवाकर जन्म दिवस पर लम्बी आयु व यशस्वी जीवन की कामना करते हुए बधाई दी।

पवित्र पुष्कर सरोवर में पूर्णिमा स्नान के साथ पावन वैशाख माह स्नान का शुभारंभ

जयपुर घाट पर 5 पंचों से महाआरती

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। पवित्र पुष्कर सरोवर में गुरूवार को चैत्र मास की पावन पूर्णिमा प्रातः सरोवर में धार्मिक अनुष्ठान के साथ स्नान किया गया ।इसी के साथ ब्रह्म सरोवर में वैशाख स्नान का शुभारंभ हो गया। एक माह तक चलने वाला वैशाख स्नान 1 मई को वैशाख मास की पूर्णिमा तक महास्नान के साथ संपन्न होगा।

स्नान का क्रम श्रद्धालुओं का एक माह चलेगा। श्रध्दालु सरोवर में स्नान कर श्रद्धालु पूजन व परिक्रमा कर ब्राह्मणों को दक्षिणा देकर पुण्य रहे हैं ।साथ ही

ब्रह्मा मंदिर समेत प्रमुख देवालयों के दर्शन करें । मान्यता है कि वैशाख स्नान का कार्तिक मास के स्नान के बराबर पुण्य फल मिलता है। 5 मंचों से महाआरती आज : पुष्करराज दिव्य महाआरती संघ एवं सनातन धर्म रक्षा संघ अजयमेरु राजस्थान के संयुक्त तत्वाधान में चैत्र मास की पूर्णिमा व हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में गुरूवार की शाम जयपुर घाट पर 5 मंचों से सरोवर की दिव्य महाआरती का आयोजन हुआ ।संघ के संरक्षक सेवानिवृत्त जज अजय शर्मा ने बताया कि पूर्णिमा के मौके पर महाआरती पं. कैलाशनाथ दाधीच के आचार्यात्व में पं0 चंद शेखर गौड़ के नेतृत्व में 5 मंचों से सरोवर की महाआरती हुई । इससे पूर्व ज्योतिषाचार्य पं. कैलाशनाथ दाधीच के आचार्यत्व व पं0 रविशंकर गौड़ के उपाचार्यत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पवित्र सरोवर का पूजन एवं अभिषेक किया। बताया कि इस मौके पर संगीतमय हनुमान चालीसा का पठन भी किया गया । महाआरती में डा0 कुलदीप शर्मा, इंजीनियर अशोक शर्मा, डा0 रश्मि शर्मा, एडवोकेट भगवान सिंह चौहान आदि अतिथि के रूप में शिरकत की।

शोक्या खेड़ा बना आस्था का केंद्र, हनुमान जन्मोत्सव पर भजन संध्या में भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। क्षेत्र के निकटवर्ती ग्राम शोक्या खेड़ा स्थित सागर के हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

कार्यक्रम के प्रथम दिन बुधवार रात्रि बजरंग नवयुवक मंडल के तत्वावधान में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ, जिसके बाद देर रात तक भक्ति रस की सरिता बहती रही।

भजन संध्या में बाहर से पधारे

सुप्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। गायक सीताराम लाकड़ा ने गायिका सोनम गुजरी के साथ 'जय बजरंग बली, संकट हरन मंगलकारी...' जैसे भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी, जिससे पूरा पंडाल भक्तिरस में सराबोर हो गया।

इस दौरान नृत्यांगना आशा मीणा एवं पलक राजस्थानी ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में रंग भर दिया, वहीं कॉमेडियन मुकेश छैला ने

अपनी हास्य प्रस्तुति से दर्शकों को खूब गुदगुदाया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कांग्रेस नेता शैलेन्द्र सिंह शक्तावत एवं मुख्य अतिथि के रूप में युवा कांग्रेस नेता सांवर मल मीणा मौजूद रहे। इस अवसर पर शक्तावत ने 11,000 रुपये तथा सांवर मल मीणा ने 5,100 रुपये की सहयोग राशि बजरंग नवयुवक मंडल को भेंट की। आयोजन बजरंग नवयुवक मंडल एवं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भजन संध्या के दौरान 'जय श्री राम' एवं 'जय बजरंग बली' के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

कार्यक्रम में ध्वनि व्यवस्था अंबिका साउंड सिस्टम, जहाजपुर द्वारा की गई, जबकि हाड़ौती ब्रदर्स के माध्यम से लाइव प्रसारण किया गया। दूसरे दिन गुरुवार को मंदिर परिसर में केक काटकर उत्सव मनाया गया, जिसके बाद डीजे की धुन पर भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस गांव के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंचकर संपन्न हुआ। दो दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन गुरुदेव रामप्रिय दास महाराज (वृंदावन) के सानिध्य में संपन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

जैश सरगना मसूद के भाई आतंकी ताहिर की संदिग्ध हालत में मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कुख्यात आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के बड़े भाई आतंकी ताहिर अनवर की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने आधिकारिक रूप से इस बारे में कुछ नहीं कहा है लेकिन अनाधिकारिक रूप से अनवर की मौत की पुष्टि की है। हालांकि मौत की वजहों का खुलासा नहीं किया है। उसकी मौत बहावलपुर में हुई बताई जा रही है। ताहिर अनवर भी जैश से जुड़ा था और संगठन में बहुत अहम भूमिका निभाता था। बताया जाता है कि वह संगठन की सभी आतंकी योजनाओं में सक्रिय हिस्सेदारी करता था। सूत्रों के मुताबिक उसका अंतिम संस्कार बहावलपुर में जैश के मुख्यालय में किया जाएगा। भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पूरी घटना पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं। ताहिर जैश के सैन्य मामलों का प्रमुख था और आतंकियों की ट्रेनिंग की पूरी जिम्मेदारी साल 2001 से संभाल रहा था। 62 साल का ताहिर अनवर 12 भाई बहनों में सबसे बड़ा था और आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के गठन से पहले मुर्गी पालन करता था।

मध्य अफ्रीकी गणराज्य के राष्ट्रपति ने तीसरी बार शपथ ली

बैंगुई, एजेंसी। मध्य अफ्रीकी गणराज्य के राष्ट्रपति फॉस्टिन-आर्चेंज टौएडेरा ने तीसरी बार राष्ट्रपति पद की शपथ ली है। यह शपथ विवादित चुनाव के तीन महीने बाद हुई है। टौएडेरा को दिसंबर में हुए चुनाव में विजेता घोषित किया गया था, लेकिन विपक्षी दलों ने चुनाव का बहिष्कार किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव निष्पक्ष नहीं था। नए कार्यकाल की अवधि अब सात साल होगी, क्योंकि पहले संविधान में बदलाव कर दिया गया था। राष्ट्रपति ने कहा कि उनका लक्ष्य देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना और संसाधनों का पारदर्शी इस्तेमाल करना है। हालांकि, देश में 2013 से जारी संघर्ष और अस्थिरता अभी भी चिंता का विषय है। कई विद्रोही समूह अब भी सक्रिय हैं, जिससे हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाए हैं।

चीन में हाईवे टनल निर्माण स्थल पर विस्फोट, 4 की मौत, 9 घायल

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम चीन के चोंगकिंग इलाके में निर्माणाधीन हाईवे टनल में हुए विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। यह धमाका सोमवार दोपहर हुबेई और सिचुआन प्रांतों को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के एक हिस्से के निर्माण स्थल पर हुआ। वानझोउ जिला परिवहन आयोग के अनुसार, हादसा टनल निर्माण के दौरान हुआ। शुरुआती रिपोर्ट में एक व्यक्ति के लापता होने और 12 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई थी। बाद में मंगलवार रात तक बचाव दल ने लापता व्यक्ति का शव बरामद कर लिया। वहीं, घायलों में से तीन लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जिसकी पुष्टि सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने की। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि विस्फोट ज्वलनशील गैस के कारण हुआ हो सकता है। घटना के बाद प्रशासन ने इलाके को घेर लिया है और हादसे के कारणों की जांच जारी है।

चिली में स्कूल सुरक्षा सख्त करने की तैयारी

सैंटियागो, एजेंसी। चिली के राष्ट्रपति जोसे एंटोनियो कास्ट ने हाल ही में स्कूलों में बढ़ती हिंसा की घटनाओं के बाद सुरक्षा कड़ी करने का ऐलान किया है। पिछले शुक्रवार एक स्कूल में चाकू से हमला हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। इसके अलावा सोमवार को एक 15 साल का छात्र स्कूल में भरी हुई बंदूक लेकर घुसने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया। इन घटनाओं के बाद सरकार अब स्कूलों में सख्त कदम उठाने की योजना बना रही है। राष्ट्रपति कास्ट ने कहा कि अब छात्रों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है और स्कूलों में प्रवेश के नियम और कड़े किए जाएंगे। शिक्षा मंत्री मारिया पाज अरजोला ने बताया कि एक नया कानून तैयार किया जा रहा है, जिसके तहत शिक्षक छात्रों के बैग की जांच कर सकेंगे। साथ ही स्कूलों में मेटल डिटेक्टर लगाने की योजना भी तेज की जाएगी। हालांकि चिली में स्कूलों में हथियारों से हमले आम नहीं हैं, लेकिन हाल के घटनाक्रम ने सरकार और समाज दोनों को चिंता में डाल दिया है।

बाइडन दंपती ने दो पिल्लों को गोद लिया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और उनकी पत्नी जिल बाइडन ने अपने घर में दो नए पिल्लों को शामिल किया है। इन पिल्लों के नाम 'बू' और 'स्काउट' रखे गए हैं। ये दोनों कुत्ते पहले एक पशु आश्रय में थे, जहां से उन्हें बचाया गया था। बाद में एक पशु कल्याण संस्था मानवीय पशु भागीदार ने इन्हें बाइडन परिवार से मिलवाया। बाइडन परिवार पहले भी अपने पालतू कुत्तों के लिए जाना जाता रहा है। व्हाइट हाउस में रहते समय उनके जर्मन शेफर्ड कुत्ते भी काफी चर्चा में रहे थे।

सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी का निधन; पीएम मोदी ने दुख जताया

पारामारिबो, एजेंसी। सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद संतोखी का 67 साल की उम्र में निधन हो गया है। स्थानीय मीडिया की तरफ से मंगलवार (भारतीय समयानुसार) को इस घटना की जानकारी दी गई। हालांकि, उनकी मौत का कारण नहीं बताया गया। पूर्व राष्ट्रपति संतोखी का भारत के बिहार राज्य के साथ एक खास कनेक्शन भी रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति का सोमवार को अचानक निधन हो गया। देश की वर्तमान राष्ट्रपति जेनिफर सिमंस ने 67 वर्ष के संतोखी के निधन की पुष्टि की। संतोखी 2020 से 2025 तक राष्ट्रपति के पद पर अपनी जिम्मेदारी निभाते रहे। वह प्रोग्रेसिव रिफॉर्म पार्टी के नेता भी थे और इससे पहले देश में न्यायिक मंत्री का पद संभाल चुके थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर दुख जताया और उनके व्यक्तिगत संबंध और भारत और सूरीनाम के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने में संतोखी की भूमिका को याद किया।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'मेरे दोस्त और सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति, चंद्रिका प्रसाद संतोखी जी के अचानक निधन से बहुत सदमा लगा है और दुखी हूं। यह न केवल सूरीनाम के लिए बल्कि दुनिया भर में फैले भारतीय समुदाय के लिए भी एक ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई नहीं हो सकती। अपनी

बातचीत के बारे में बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'मुझे उनके साथ हुई कई मुलाकातें अच्छी तरह याद हैं। सूरीनाम के लिए उनकी बिना थके सेवा और भारत-सूरीनाम के संबंधों को मजबूत करने की उनकी कोशिशें हमारी बातचीत में साफ दिखती थीं। उन्हें भारतीय संस्कृति से खास लगाव था। जब उन्होंने संस्कृत में शपथ ली तो उन्होंने कई लोगों का दिल जीत लिया।'

पीएम मोदी ने आगे कहा, 'इस दुख की घड़ी में मैं उनके परिवार और सूरीनाम के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ओम शांति।' प्रधानमंत्री ने दिवंगत नेता के साथ अपनी पिछली मुलाकातों की तस्वीरें भी शेयर कीं। बता दें, सूरीनाम के वानिका जिले के लेलीडॉर्प में जन्मे संतोखी एक इंडो-सूरीनाम हिंदू परिवार से थे और नौ भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। उनके दादा-दादी 19वीं सदी में बिहार से बंधुआ मजदूर के तौर पर आए थे। उनके पिता पारामारिबो में बंदरगाह पर काम करते थे, जबकि उनकी मां एक दुकान में सहायक के तौर पर काम करती थीं। कानून प्रवर्तन में अपने शुरुआती करियर की वजह से, उन्हें 'शेरिफ' निकनेम मिला। संतोखी ने सूरीनाम में व्यापार, ऊर्जा और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ संबंध मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। सूरीनाम में लगभग 27 फीसदी आबादी की जड़ें भारतीय बंधुआ मजदूरों से जुड़ी हैं। उन्हें प्रवासी भारतीय सम्मान दिया गया था और वे प्रवासी भारतीय दिवस में मुख्य अतिथि के तौर पर भी शामिल हुए थे। इंडो-सूरीनाम विरासत के संदर्भ में, 2020 में संतोखी का शपथ ग्रहण भारत के साथ मजबूत सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाता है। दरअसल, संतोखी ने संस्कृत भाषा में राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। सूरीनाम के किसी राष्ट्रपति ने पहली बार संस्कृत भाषा में शपथ ली थी। इसके साथ ही यह देश में बड़ी संख्या में मौजूद भारतीय मूल की आबादी का सम्मान भी है, जो 19वीं सदी के बंधुआ मजदूरों के वंशज हैं। पीएम मोदी ने अपने मासिक महीने के रेडियो कार्यक्रम मन की बात में पूर्व राष्ट्रपति का जिक्र किया था और भारत की जनता को भारतीय भाषा और संस्कृति के साथ उनके जुड़ाव के बारे में बताया।

53 साल बाद इंसान फिर जाएगा चांद पर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने 53 साल बाद इंसानों को फिर से चांद पर भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए 'आर्टेमिस-2' मिशन का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। यह रॉकेट बुधवार शाम को लॉन्च किया जाएगा और इसमें चार अंतरिक्ष यात्री सवार होंगे। यह मिशन लगभग 10 दिन का होगा। इसमें अंतरिक्ष यात्री पहले पृथ्वी की कक्षा में घूमेंगे और फिर चांद के पास जाकर बिना उतरे वापस लौट आएंगे। मिशन के अंत में उनका कैप्सूल समुद्र में उतरेगा।

इस बार मिशन की खास बात यह है कि इसमें एक महिला, एक अश्वेत और एक गैर-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री भी शामिल हैं। नासा का कहना है कि यह मिशन पूरी मानवता के लिए एक नई शुरुआत है। पहले यह मिशन फरवरी में होना था, लेकिन तकनीकी समस्याओं के कारण इसे टाल दिया गया था। अब सभी दिक्कतें दूर कर ली गई हैं और मौसम भी अनुकूल बताया जा रहा है। नासा का उद्देश्य भविष्य में चांद पर स्थायी मिशन भेजना और आगे मंगल ग्रह तक पहुंचने की तैयारी करना है। यह मिशन अंतरिक्ष अनुसंधान में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

भारत आने वाले ईरानी विमान पर अमेरिका का हमला, तेहरान ने कड़ी निंदा की; मानवीय मिशन बाधित

तेहरान, एजेंसी। ईरान भारत के लिए उड़ान भर रहे मानवता मिशन विमान पर अमेरिकी हवाई हमले के बाद आगबबूला है। घटना के बाद ईरान ने इसे युद्ध अपराध करार दिया और अमेरिका पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। रिपोर्टों के अनुसार, महान एयर का यह विमान ईरान के मशहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाला था। यह विमान मानवीय सहायता मिशन के लिए नई दिल्ली आने वाला था, जहां से उसे राहत सामग्री ले जानी थी। हमले से विमान क्षतिग्रस्त हो गया और पूर्व नियोजित मानवीय सहायता मिशन बाधित हो गया। भारत में ईरानी दूतावास ने कहा कि सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन के नियमों के अनुसार, मानवीय मिशनों में लगे नागरिक विमानों को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। दूतावास ने लिखा दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों को ले जा रहे इस ईरानी विमान पर हमला करना युद्ध अपराध है। ईरानी दूतावास ने बताया कि शिकागो कन्वेंशन (1944) और मॉन्ट्रियल कन्वेंशन (1971) के तहत, नागरिक विमानों पर हमले अंतरराष्ट्रीय अपराध माने जाते हैं। इसके अलावा जिनेवा कन्वेंशन के अतिरिक्त प्रोटोकॉल ढ्ढ, अनुच्छेद 52 के अनुसार, नागरिक वस्तुओं पर

हमले, जिनमें मानवतावादी सहायता विमान भी शामिल हैं, युद्ध अपराध में आते हैं। दूतावास ने अमेरिका के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई की मांग की है और कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। बताया जा रहा है कि यह विमान 1 अप्रैल सुबह 4:00 बजे पहुंचने वाला था। इस घटना के बाद देश में नागरिक उड्डयन की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। बता दें कि, महान एयर एक निजी स्वामित्व वाली ईरानी एयरलाइन है जो पश्चिम एशिया, मध्य एशिया, दक्षिण एशिया, दक्षिणपूर्व एशिया और पूर्वी एशिया के कई देशों में उड़ानें संचालित करती है। क्षतिग्रस्त हुए विमान को भारत से दवाइयों सहित 11 टन मानवीय सहायता ईरान ले जानी थी। पहले की खेपों में भारतीय उड़ानों का इस्तेमाल नहीं किया गया था। ईरान के लिए भारत की पहली सहायता खेप 18 मार्च 2026 को भेजी गई थी। तब भारत ने कहा था कि यह सहायता दोनों देशों के बीच दोस्ती और सभ्यतागत संबंधों का प्रतीक है।

फ्लोरिडा एयरपोर्ट का नाम ट्रंप के नाम पर रखने की मंजूरी

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में एक एयरपोर्ट का नाम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर रखने को मंजूरी मिल गई है। साथ ही ट्रंप ने मियामी में अपनी प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी के लिए प्रस्तावित गगनचुंबी इमारत का डिजाइन भी जारी किया। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैंटिस ने एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलकर 'प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रंप इंटरनेशनल एयरपोर्ट' रखा जाएगा। यह बदलाव जुलाई से लागू होगा। यह एयरपोर्ट ट्रंप के मार-ए-लागो एस्टेट के पास स्थित है। इसके कुछ घंटों बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उनकी प्रस्तावित प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी के डिजिटल डिजाइन की झलक दिखाई गई। डिजाइन का श्रेय मियामी स्थित फर्म बर्मेलो अजामिल को दिया गया है। ट्रंप ने इस वीडियो के साथ कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की, केवल अपनी लाइब्रेरी की एक नई वेबसाइट का लिंक दिया, जिस पर 'जल्द आ रहा है' लिखा है और दान करने का विकल्प भी मौजूद है।

व्हाइट हाउस ने इस योजना को लेकर पूछे गए सवालों का तत्काल कोई जवाब नहीं दिया है। इस परियोजना के लिए मियामी डेड कॉलेज ने शहर के केंद्र में लगभग 3 एकड़ जमीन उपहार के रूप में दी है। दिसंबर में एक न्यायाधीश ने इस जमीन के हस्तांतरण को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया था। इस जमीन की कीमत 6.7 करोड़ डॉलर से अधिक बताई जा रही है।

मंगोलिया को एक साल में मिला तीसरा प्रधानमंत्री : उलानबटार, एजेंसी। मंगोलिया की संसद ने उच्राल न्याम-ओसोर को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। एक साल के भीतर यह तीसरी बार है, जब देश को नया प्रधानमंत्री मिला है। यह फैसला संसद में जारी गतिरोध को खत्म करने और आर्थिक चुनौतियों से निपटने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। मंगोलिया में बढ़ते आर्थिक दबाव के बीच उच्राल ने राजनीतिक एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आंतरिक मतभेदों ने बाहरी चुनौतियों को और गंभीर बना दिया है। सोमवार रात संसद के 126 में से 107 सांसदों ने मतदान में हिस्सा लिया, जिनमें से 88 सांसदों (करीब 82.2 प्रतिशत) ने उच्राल के समर्थन में वोट दिया। इसके साथ ही 39 वर्षीय नेता के प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया।

पाकिस्तान खुद एक समस्या, भारत है उससे अच्छा मीडिएटर, इजरायल से उठी मांग

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल का कहना है कि पाकिस्तान से अच्छा मध्यस्थ भारत साबित होता। यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब पाकिस्तान लगातार मध्यस्थ बनने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, खबरें हैं कि ईरानी पक्ष ने बातचीत से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने वार्ता की मेजबानी करने का अनुरोध किया था। एक इंटरव्यू के दौरान इजरायली विदेश मंत्रालय की विशेष दूत फ्लूर हसन-नहूम से पाकिस्तान की मध्यस्थता को लेकर सवाल किया गया। उन्होंने कहा, 'मेरा मतलब है, मुझे नहीं पता कि पाकिस्तानियों को क्या लगता है कि वे क्या कर रहे हैं। मुझे लगता है कि वे खुद को प्रासंगिक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वे खुद जिहादी आतंकवाद की दुनिया में एक बहुत

बड़ी समस्या हैं। लेकिन, आप जानते हैं, वे कोशिश कर सकते हैं। मुझे यकीन नहीं है कि वे बहुत सफल होंगे।'

भारत की तारीफ : इस दौरान उन्होंने भारत की तरफ से उठाए गए कदमों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा, 'भारत इजरायल का एक बहुत करीबी सहयोगी है। जैसा कि आप जानते हैं, युद्ध शुरू होने से कुछ ही दिन पहले आपके प्रधानमंत्री यहां आए थे। और हम समझते हैं कि भारत सभी के साथ बेहतरीन संबंध रखता है। अगर आप मुझसे पूछें, तो वे पाकिस्तान की तुलना में कहीं बेहतर मध्यस्थ हो सकते हैं। लेकिन देखते हैं कि चीजें आगे कैसे बढ़ती हैं।

पाकिस्तान कर रहा कोशिशें : पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने रविवार को कहा कि सऊदी अरब, मिस्र और तुर्किये के विदेश मंत्रियों के साथ बैठक के बाद इस्लामाबाद अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता आयोजित करेगा। डार ने विदेश मंत्रियों के पश्चिम एशिया संघर्ष पर चर्चा किए जाने के दौरान यह बात कही। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में गंभीर संकट पैदा हुए हैं।

ईरान ने कर दिया बातचीत से इनकार : ईरान ने सोमवार को अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने पर बातचीत करने से इनकार किया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि तेहरान को मध्यस्थों के माध्यम से संदेश मिले हैं कि अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। उनकी ओर से भेजी गई शर्तें अतार्किक हैं। हमारा रुख साफ है। हमपर सैन्य हमला हुआ है। इसलिए हमारी पूरी ताकत अपनी रक्षा पर ध्यान लगा रहे हैं। प्रेस ब्रीफिंग में इस्माइल बघाई ने कहा कि अब तक ईरान और अमेरिका के बीच सिर्फ मध्यस्थों के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान हुआ है। कोई सीधी बातचीत नहीं हुई है। पाकिस्तान में हुई बैठकों पर ईरान ने स्पष्ट किया कि ये उनकी अपनी पहल है, इसमें ईरान शामिल नहीं है। बघाई ने कहा कि ईरान का रुख शुरू से स्पष्ट रहा है, जबकि अमेरिका अपने रवैए में लगातार बदलाव करता रहा है। बघाई ने कहा कि अमेरिकी अधिकारी जो चाहें बोल सकते हैं।

पत्रकारों से बदसलूकी पर इस्राइली सेना की कार्रवाई, बटालियन को किया निलंबित; सेनाध्यक्ष ने जताया खेद

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने वेस्ट बैंक के जुडिया और सामरिया इलाके में पत्रकारों के साथ अपने सैनिकों के गलत व्यवहार को स्वीकार किया है। चीफ ऑफ द जनरल स्टाफ की अगुवाई में हुई एक आंतरिक जांच के बाद सेना ने यह कदम उठाया है। यह मामला 'एरिया ए' में एक अवैध चौकी को खाली कराने के अभियान से जुड़ा है। इस्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि चीफ ऑफ द जनरल स्टाफ ने पत्रकारों के प्रति सैनिकों के आचरण की जांच पूरी कर ली है। जांच में पाया गया कि पत्रकारों के साथ व्यवहार के दौरान सैनिकों से कई गलतियां हुईं। रिपोर्ट के अनुसार, सैनिकों के व्यवहार के तरीके में कमियां थीं और उन्होंने सेना के आदेशों का उल्लंघन किया। सैनिकों ने प्रेस के सदस्यों के साथ बातचीत के लिए तय किए गए नियमों का पालन नहीं किया।

जांच के नतीजों से पता चला कि उस इलाके में तैनात सैनिकों ने सैन्य प्रोटोकॉल को नजरअंदाज किया। ऑपरेशन वाले क्षेत्रों में पत्रकारों के साथ कैसे पेश आना है, इसके लिए बने नियमों को तोड़ा गया। इन गलतियों ने यूनिट के अनुशासन और नियमों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बटालियन को किया गया निलंबित : इन कमियों को देखते हुए इस्राइली सेना ने तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की है। सेना ने उस इलाके में तैनात बटालियन के ऑपरेशनल तैनाती को तुरंत निलंबित कर दिया है। सेना ने अपना रुख साफ करते हुए कहा कि वह प्रेस की आजादी का सम्मान करती है और उसे बढ़ावा देती है। सेना ने इस घटना पर गहरा खेद जताया है। यह कदम मीडिया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह भरोसा दिलाने के लिए उठाया गया है कि सेना प्रेस की स्वतंत्रता के प्रति प्रतिबद्ध है। मुख्य सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने इस मामले पर कड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने इसे एक गंभीर नैतिक घटना बताया जो सेना के मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हर सैनिक भर्ती के समय शपथ लेता है कि हथियारों का इस्तेमाल केवल मिशन को पूरा करने के लिए होगा। हथियारों का इस्तेमाल कभी भी बदला लेने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने साफ किया कि इस्राइली सेना के भीतर ऐसी घटनाओं को कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा। वेस्ट बैंक में अवैध बस्तियों को खाली कराना हमेशा से एक संवेदनशील और विवादित प्रक्रिया रही है। इन अभियानों के दौरान अक्सर पत्रकार, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग वहां मौजूद रहते हैं। ऐसे में सेना के लिए नियमों का सख्ती से पालन करना और मीडिया के साथ सही तालमेल बनाए रखना बहुत जरूरी होता है।

होर्मुज पर नेतन्याहू ने सुझाया स्थाई समाधान, बोले- सैन्य कार्रवाई कुछ समय के लिए दे सकती है स्थिरता

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दुनिया की ऊर्जा सप्लाई को सुरक्षित रखने के लिए एक सुझाव दिया है। उन्होंने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भरता कम करने के लिए ऊर्जा पाइपलाइनों का रास्ता बदलना चाहिए। नेतन्याहू के अनुसार, इन पाइपलाइनों को सऊदी अरब के रास्ते लाल सागर और भूमध्य सागर की तरफ ले जाना एक स्थायी समाधान हो सकता है।

क्या बोले नेतन्याहू : नेतन्याहू ने न्यूजमैक्स के साथ एक इंटरव्यू में बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान के पास है। इस वजह से ईरान जब चाहे वैश्विक ऊर्जा सप्लाई को खतरे में डाल सकता है। उन्होंने कहा कि सैन्य समाधान केवल कुछ समय के लिए स्थिरता दे सकता है। लेकिन अगर पाइपलाइनों का रास्ता बदल दिया जाए, तो ईरान की रणनीतिक ताकत कम हो जाएगी। नेतन्याहू का मानना है कि जमीन के रास्ते नए पाइपलाइन नेटवर्क बनाने से वैश्विक ऊर्जा बाजार पर ईरान का दबदबा खत्म होगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण रास्तों में से एक है। दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल निर्यात इसी रास्ते से होता है। इसके एक तरफ ईरान है और दूसरी तरफ सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ओमान जैसे देश स्थित हैं।

होर्मुज पर ईरान की नई नीति : इस बीच, ईरान की संसद की सुरक्षा समिति ने 'होर्मुज जलडमरूमध्य प्रबंधन योजना' को मंजूरी दे दी है। ईरान की सरकारी

मीडिया के अनुसार, इस योजना के तहत ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर टैक्स (टोल) लगाएगा। यह टैक्स ईरान की मुद्रा रियाल में लिया जाएगा। इस योजना में जहाजों की सुरक्षा, पर्यावरण की रक्षा और वित्तीय इंतजामों के कड़े नियम शामिल हैं। ईरान की इस नई योजना में साफ कहा गया है कि अमेरिका और इस्राइल के जहाजों को इस रास्ते से गुजरने की अनुमति नहीं मिलेगी। साथ ही, उन देशों के जहाजों पर भी रोक रहेगी जो ईरान पर एकतरफा पाबंदियां लगाते हैं। ईरान इस जलमार्ग पर अपनी संप्रभुता और सेना की भूमिका को मजबूत कर रहा है। इसके लिए वह ओमान के साथ मिलकर कानूनी ढांचा तैयार करने पर भी काम कर रहा है। इस बीच, व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद तेल के टैंकरों की आवाजाही जारी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि यह सब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में हुई कूटनीति का नतीजा है। लेविट ने उन दावों को खारिज कर दिया कि ईरान अपनी मर्जी से केवल कुछ जहाजों को जाने दे रहा है। आने वाले दिनों में 20 और टैंकरों के निकलने की उम्मीद है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिकी प्रशासन की लगातार कोशिशों के बिना टैंकरों की यह आवाजाही संभव नहीं होती।

वियतनाम की राजधानी में 2026 में अब तक कोविड-19 के 29 मामले सामने आए

हनोई, एजेंसी। वियतनाम की राजधानी हनोई में वर्ष की शुरुआत से अब तक कोविड-19 के 29 मामले दर्ज किए गए हैं जबकि किसी के मौत की सूचना नहीं मिली है। हनोई सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने बताया कि 20 से 27 मार्च के बीच 12 कम्यून और वार्ड में 17 नए कोविड-19 संक्रमण दर्ज किए गए, जबकि पिछले सप्ताह केवल तीन मामले सामने आए थे। बीए.3.2 वैरिएंट के संबंध में, जिसे वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मॉनिटर किया जा रहा है, स्थानीय स्वास्थ्य विभाग ने जनता से सावधान रहने के साथ घबराने से बचने की सलाह दी। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, यह वैरिएंट लैब स्थितियों में कुछ एंटीजनिक बदलाव और इम्यून एस्केप विशेषताएँ दिखाता है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से भीड़भाड़ वाले या बंद स्थानों में मास्क पहनने, नियमित सफाई और लक्षण बिगड़ने पर चिकित्सकीय देखभाल लेने जैसे बचाव उपाय बनाए रखने की सलाह दी। हाल ही में एक नया कोविड-19 वैरिएंट, जिसे अनौपचारिक रूप से 'सिकाडा' कहा गया है, कई क्षेत्रों में सीमित समूहों में पाया गया है, जिससे वैज्ञानिक इसके लक्षणों, संक्रामक क्षमता और संभावित प्रभाव की करीबी निगरानी कर रहे हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, कोविड-19 एक संक्रामक रोग है, जिसे सार्स सीओवी-2 वायरस पैदा करता है। इस वायरस से संक्रमित अधिकांश लोग हल्के से मध्यम श्वसन रोग का अनुभव करेंगे और बिना विशेष उपचार के ठीक हो जाएंगे। हालांकि, कुछ लोग गंभीर रूप से बीमार हो सकते हैं और उन्हें चिकित्सीय सहायता की आवश्यकता हो सकती है। बुजुर्ग और हृदय रोग, मधुमेह, पुरानी श्वसन बीमारी या कैंसर जैसी पूर्व मौजूद स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोग गंभीर बीमारी विकसित होने की अधिक संभावना रखते हैं। किसी भी उम्र में कोई भी व्यक्ति कोविड-19 से संक्रमित हो सकता है और गंभीर रूप से बीमार या मृत्यु के जोखिम में रह

सकता है। संक्रमण को रोकने और धीमा करने का सबसे अच्छा तरीका है रोग और वायरस के फैलाव के बारे में अच्छी जानकारी रखना। दूसरों से कम से कम एक मीटर की दूरी बनाए रखें, ठीक से फिट किया हुआ मास्क पहनें, हाथ धोएं या अल्कोहल आधारित हैंड रब का नियमित उपयोग करें। जब आपकी बारी आए तो टीका लगवाएं और स्थानीय दिशानिर्देशों का पालन करें। वायरस संक्रमित व्यक्ति के मुंह या नाक से निकलने वाले छोटे तरल कणों के माध्यम से फैल सकता है, जब वह खांसता, छींकता, बोलता, गाता या सांस लेता है। ये कण बड़े श्वसन बूंदों से लेकर छोटे एरोसोल तक हो सकते हैं। श्वसन शिष्टाचार का पालन करना महत्वपूर्ण है, जैसे कि खांसते समय कोहनी को मोड़कर खांसना और यदि आप अस्वस्थ महसूस करें तो घर पर रहकर आत्म-एकांत अपनाना चाहिए जब तक आप पूरी तरह स्वस्थ न हो जाएं।

डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थल

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिंगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थी, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com